• जयपुर, गुरुवार 13 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 285 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

रामनाथ कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए धरोहर बनेगी: प्रधानमंत्री मोदी

'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक' में व्यक्तिगत संघर्षों से अधिक भारत के गणतंत्र की जीत की कहानी: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन के अवसर पर कहा कि कोविंद की जीवन यात्रा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर साबित होगी। आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री रामनाथ कोविंद से उनका लंबे समय से परिचय रहा है और उन्हें करीब से जानने तथा राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि कोविंद का स्नेह और आत्मीयता उनके लिए बड़ी पूंजी रही है।

● संघर्षों से मिली जीत को गणतंत्र की जीत बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री कोविंद ने अपनी आत्मकथा को बेहद सटीक नाम दिया है–'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स'। इसका भाव यह है कि जीवन और जीवन के संघर्ष व्यक्तिगत हो सकते हैं, लेकिन उन संघर्षों से मिली सफलता भारत के गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर लोग अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को देते हैं और जीवन की कठिनाइयों के लिए समाज को जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन भारतीय संस्कारों से प्रेरित व्यक्ति समाज की कमियों पर समय गंवाने के बजाय उसके सकारात्मक पक्ष पर ध्यान देता है और अपनी सफलता में समाज को बराबर का भागीदार मानता है। उन्होंने कहा कि श्री कोविंद की आत्मकथा और उसका शीर्षक इसी भावना का उदाहरण है।

● मां को बचाने के प्रयास में हुई थी मृत्यु

प्रधानमंत्री ने श्री कोविंद के बचपन के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जन्म कानपुर देहात के एक बेहद सामान्य परिवार में हुआ था। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में उनके घर में आग लग गई थी। उस समय उनकी मां परिवार की चीजों को बचाने का प्रयास कर रही थीं और इसी दौरान आग में फंसकर उनकी मृत्यु हो गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि कम उम्र में मां को खोना अत्यंत पीड़ादायक अनुभव रहा होगा। उन्होंने अपने जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी मां 100 वर्ष से अधिक समय तक जीवित रहीं और उन्हें आशीर्वाद देती रहीं, इसके बावजूद आज भी उन्हें मां की कमी महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी त्रासदी किसी भी व्यक्ति को तोड़ सकती थी, लेकिन श्री कोविंद ने कठिनाइयों को अपनी ताकत बनाया।

न्यूज अपडेट

हवा में अचानक फेल हुआ इंडिगो विमान का इंजन, 224 यात्रियों की अटकी सांसें; चेन्नई एयरपोर्ट पर मची अफरा-तफरी

चेन्नई/एजेंसी। आसमान का सीना चीरते हुए अपनी मंजिल की तरफ बढ़ रहे एक यात्री विमान में उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब लैंडिंग से कुछ ही देर पहले उसका एक इंजन अचानक बंद हो गया। मौत को इतने करीब देखकर विमान में सवार 224 यात्रियों की सांसें हवा में ही अटक गईं। यह रोंगटे खड़े कर देने वाला वाकया कोलकाता से चेन्नई आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में हुआ। हवा में आई इस बड़ी और जानलेवा तकनीकी खराबी के तुरंत बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी गई, जिससे पूरे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल गए।

एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात कोलकाता से उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6श्व-723 चेन्नई आ रही थी। इस विमान में 224 लोग सवार थे और सब कुछ सामान्य गति से चल रहा था। विमान अपने निर्धारित समय रात 11.30 बजे एयरपोर्ट पर लैंड करने ही वाला था। लेकिन नीचे उतरने की तैयारियों के बीच पायलट को अचानक पता चला कि विमान का बायां इंजन पूरी तरह से फेल हो चुका है। इस खौफनाक जानकारी के मिलते ही पायलट ने बिना समय गंवाए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को आपातकालीन संदेश भेजा और 11 अगस्त की रात 11.29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भ्रष्टाचार एवं कदाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति

लैंगिक उत्पीड़न के मामले में कॉलेज प्राचार्य बर्खास्त

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, अनियमितताओं एवं गंभीर कदाचार जैसे मामलों में प्रभावी और कठोर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री द्वारा अभियोजन स्वीकृति एवं धारा 17-ए के तहत कार्यवाही के अनुमोदन के साथ विभागीय जांच के गंभीर प्रकरणों का निस्तारण करते हुए लगभग 40 मामलों में कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं के लैंगिक उत्पीड़न के एक प्रकरण में सख्त कार्रवाई करते हुए कॉलेज के प्राचार्य को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। साथ ही, इस घृणित कृत्य में सहयोग करने वाले एक प्रवक्ता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को भी सेवा से हटाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार एवं अन्य आपराधिक प्रकरणों में पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने से जुड़े 6 गंभीर मामलों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की। भ्रष्टाचार निवारण (यथा संशोधित 2018) अधिनियम तथा धन संशोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत सवाई मानसिंह चिकित्सालय के

वरिष्ठ आचार्य, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता, वित्तीय सलाहकार, सहायक अभियंता तथा विकास अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का फैसला लिया।

मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के सेवा काल में की गई अनुशासनहीनता, दुराचरण एवं भ्रष्टाचार में संलिप्तता के विभिन्न मामलों में 10 अधिकारियों की पेंशन रोकने का निर्णय लिया। 5 प्रकरणों में शत-प्रतिशत पेंशन रोकने की स्वीकृति भी दी गई। इसी प्रकार, एक प्रकरण में न्यायालय से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषसिद्धि होने पर शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय लिया गया।

- **प्रवक्ता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को भी सेवा से हटाने की दी मंजूरी**
- **पद-प्रभाव का दुरुपयोग करने पर 6 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति–**
- **भ्रष्ट सेवानिवृत्त अधिकारियों की रोकी जाएगी पेंशन**
- **5 प्रकरणों में शत-प्रतिशत पेंशन रोकने की स्वीकृति**
- **भ्रष्टाचार से जुड़े 5 प्रकरणों में अब एसीबी करेगी कार्रवाई**

वहीं अन्य प्रकरणों में विभागीय जांच पूर्ण होने तक शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय किया गया।

मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच का अनुमोदन करते हुए 5 प्रकरणों में एसीबी को आगामी अन्वेषण की अनुमति दी। इसी प्रकार, राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 16 के तहत 6 प्रकरणों में विभिन्न अधिकारियों को देय वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम 17 के तहत विचाराधीन 2 मामलों में आरोपित अधिकारियों को परिनिंदा के दंड से व नियम 23 के तहत 2 रिव्यू याचिकाओं में राहत देते हुए वेतन वृद्धि रोकने के दंड को परिनिंदा में परिवर्तित करने की स्वीकृति दी। इसी प्रकार, सीसीए नियम 34 के तहत प्रस्तुत 4 रिव्यू याचिकाओं को खारिज करते हुए दण्डादेश यथावत रखे गए है तथा इसकी अभिशंसा राज्यपाल को भिजवा दी गई है। वहीं, विभागीय जांच के 4 प्रकरणों को समाप्त करते हुए आरोपित अधिकारियों को दोषमुक्ति की राहत दी गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इन निर्णयों से स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, अनुशासनहीनता और कार्यस्थल पर गंभीर कदाचार जैसे मामलों में राज्य सरकार सख्ती से कार्य कर रही है। ऐसे कि- सी भी मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए पारदर्शी एवं स्वच्छ प्रशासन को मजबूत करने के लिए कठोर, निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई हो रही है।

संसद में गतिरोध के बीच 11 विधेयक पारित, 9 पर नहीं हुई कोई चर्चा

नईदिल्ली/एजेंसी। संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। नीट पेपर लीक, राम मंदिर दान विवाद और दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज समेत कुछ और मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष में लगातार खींचतान जारी है। इस बीच लोकसभा से 11 अहम विधेयक पारित हुए हैं। हालांकि, हंगामे के बीच इनमें से केवल 2 पर ही चर्चा हुई और 9 को बिना चर्चा के पारित कर दिया गया।

बीते दिन यानी 11 अगस्त को विपक्ष के नारेबाजी के बीच लोकसभा से केरल का नाम बदलकर केरलम करने के उद्देश्य से लाए गए केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को बिना किसी बहस के पारित कर दिया गया। केरल से जुड़ा विधेयक गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा पेश किया गया था, जो ध्वनि मत से पारित हो गया। दूसरा विधेयक सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पेश किया था।

संसद के दोनों सदनों में आज भी खूब हंगामा हुआ। इसके चलते राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, जब सदन काम नहीं करता तो मुझे बहुत दुख होता है। उन्होंने देश में दूरगामी बदलाव लाने वाले विधेयकों पर सरकार और विपक्ष से आम सहमति बनाने की अपील की ताकि उन पर बहस हो सके। मानसून सत्र में लोकसभा से जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, कराधान एवं अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक पारित हुए हैं।

मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मेरी मां सौ साल से भी अधिक समय तक जीवित रहीं

प्रधानमंत्री मोदी को आई मां की याद, बोले- सौ साल तक साथ रहीं, फिर भी आज महसूस होती है कमी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपनी मां को याद किया। उन्होंने कहा कि वे आज भी मां की कमी महसूस करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' के विमोचन के समय उनके जीवन संघर्षों का विशेष उल्लेख किया। इसी बीच, पीएम मोदी ने अपनी मां को भी याद किया।

उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मेरी मां सौ साल से भी अधिक समय तक जीवित रहीं और मुझे आशीर्वाद देती रहीं। उसके बावजूद आज भी मैं मां की कमी महसूस करता हूं।

रामनाथ कोविंद के जीवन के बारे में बात करते प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी अनुभव करते हैं कि इंसान का एक स्वभाव होता है और लोग अपनी सफलता का श्रेय खुद को देते हैं, जबकि जीवन की मुश्किलों और कठिनाइयों के लिए समाज को जिम्मेदार ठहराते हैं। मगर जब हृदय उदार हो, भारतीय संस्कार हो, तब व्यक्ति समाज की कमियां निकालने में समय नहीं गंवाता है। वह उसके सकारात्मक पक्ष पर फोकस करता है। वह अपनी सफलता में समाज को बराबर की भागीदार मानता है। रामनाथ कोविंद की आत्मकथा और उसका शीर्षक इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, रामनाथ कोविंद का कानपुर देहात के क्षेत्र में एक साधारण परिवार में जन्म हुआ। कोविंद जी ने अपनी किताब में है 'कैसे गर्मी के मौसम में एक दिन उनके घर में आग लग गई। उनकी मां अपनी चिंता छोड़कर घर की चीजों को बचा रही थी। आखिर एक सामान्य परिवार में मां के लिए एक-एक चीज बच्चों के पालन-पोषण का जरिया होती है। उसी कोशिश में आग में फंसकर उनकी मां की मृत्यु हो गई। आप कल्पना कर सकते हैं कि छोटी सी उम्र में इस तरह की घटना कितना दर्दनाक रही होगी।

अमित शाह के बयान पर राहुल गांधी का पलटवार, कहा-उनका भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहली बार संसद में गतिरोध पर बयान देते हुए कहा वह सदन में हर सवाल पर बहस को तैयार है, जिस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता राहुल ने कहा कि पू-रे विपक्ष को शाह के काल्पनिक विचार और भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं है और उनको सीधे तौर पर जवाब देना चाहिए कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया।

राहुल ने कहा, विपक्ष ने साफ कहा है कि हमें अमित शाह का भाषण सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मैं हम कहता हूं, तो मेरा मतलब देश की युवा पीढ़ी से है। छात्रों पर गोली किसने चलाई? कील लगी लाठियों से छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया? क्या हमारे बच्चों पर गोली चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था? अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

राहुल ने आगे कहा कि अगर शाह ने पैलेट गन चलाने का आदेश नहीं दिया, तो भी उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि वह पद पर बने रहने के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद में शाह क्या बोलना चाहते हैं, इसकी विपक्ष को परवाह नहीं है। शाह में कोई हिम्मत नहीं है कि वह संसद में आ सकें। राहुल ने कहा कि शाह पिछले 20 दिन से संसद आ रहे हैं, लेकिन सदन के अंदर नहीं आ रहे। राहुल ने मीडिया द्वारा उनको बीच में टोककर सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई और कहा कि शाह से कोई पत्रकार इस तरह से सवाल क्यों नहीं पूछता है।

सुभाषितम्

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। - चाणक्य

ऐसे तो फिर हाथ से फिसल जाएगी सत्ता की कुर्सी!

हाल ही में गठित उत्तराखंड कांग्रेस की भारी भरकम कार्यकारिणी में हरीश रावत का नाम नदारद है, कुछ ऐसे चर्चित और प्रभावी नाम भी कार्यकारिणी में नही है, जिनके नाम से ही कांग्रेस जानी जाती है। साथ ही जो मुसलमान कांग्रेस को आंख बंद करके वोट देता आया है, उनकी संख्या कार्यकारिणी में मात्र 8 है। वह भी तब जब कार्यकारिणी के प्रदेश सचिवों की संख्या ही 107 तक पहुंच गई है। एक तरफ उत्तराखंड में कार्यकारिणी गठन का ऐलान हो रहा था, वही दूसरी तरफ दिल्ली से खबर आ रही थी कि हरीश रावत जिंदगी की जंग लड़ रहे है। हल्द्वानी में हुई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा में कुछ कार्यकर्ताओं ने हरीश रावत जिंदाबाद के नारे उनकी गैर मौजूदगी में लगा दिए तो कांग्रेस प्रभारी शैलजा नाराज हो गई, जबकि होना यह चाहिए था कि जनसभा में हरीश रावत को भी आमंत्रित कर उनका भाषण कराया जाता। पता नही कांग्रेस अपनों को दूर करके क्या हासिल करना चाहती है। कांग्रेस में योग्य कार्यकर्ताओं की कमी नहीं है, परन्तु गुटबाजी के चक्कर मे उन्हें आगे ही नही लाया जाता। पार्टी के प्रभारी जो नेता बनते है, उनकी भी परफॉर्मेंस का आंकलन करना चाहिए कि उन्होंने अपने राज्यो में पार्टी को कितनी सीटे दिलवाई, ऐसा न हो कि अपने राज्यो में हारकर दूसरे राज्य का प्रभारी बन सिर्फ अपने स्वस्गत कराता हुआ ही प्रभारी घूमता रहे। कम से कम भाजपा में ऐसा नही होता,वहां निष्ठावान कार्यकर्ताओं को खोज खोजकर दायित्व दिया जाता है। जबकि कांग्रेस में चापलूसी, चमचागिरी और जी हुजूरी पहले नंबर पर है तभी कुछ मिल सकता है। आज पार्टी में ऐसे ऐसे पदाधिकारी बन बैठे है, जो पार्टी के प्रति शायद ही वफादार रहे हो। आगामी 2027 के मद्देनजर होना यह चाहिए था कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती। लेकिन हाल के घटनाक्रम तो आपसी फूट की तरफ इशारा कर रहे है। कांग्रेस के लिए यह स्वर्णिम अवसर है जब भाजपा के मौजूदा 32 विधायकों की रिपोर्ट खराब आई है, यदि उन्ही सीटों को कांग्रेस टारगेट बना ले तो उसकी नैया पार हो सकती है। लेकिन न तो हरीश रावत के बिना और न ही पार्टी के उन निष्ठावानों के बिना, जो कांग्रेस को अपने खून से सींचते है।

हरीश रावत एक मात्र ऐसे नेता है जो अपने कार्यकर्ताओं के बीच सदैव सक्रिय रहते है। उनके बिना कांग्रेस आज भी बेमायने है। पिछले दिनों भी कांग्रेस प्रभारी शैलजा से अप्रत्यक्ष नाराजगी के चलते हरीश रावत ने अर्जित अवकाश की राजनीति शुरू की थी। जिसे लेकर कांग्रेस के आला अधिकारी से लेकर कांग्रेस समर्थक भी असमंजस में रहे। अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई दायित्व नही है, फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है। ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। पिछले दिनों हरीश रावत का यह कहना भी गलत नही है कि कांग्रेस में कुछ लोग 'जहरीले' हैं, ऐसे लोग बीजेपी में भी हैं। हरीश रावत ने हाल ही में कांग्रेस से यह भी कहा कि, मैं बूढ़ा आदमी हूं, मेरा काम है खांसते रहना ताकि कोई गलत आदमी पार्टी में न घुस पाए। उन्होंने पार्टी के साथ दगा करने वाले एक नेता कि ओर इशारा कर कहा कि, आपके पास जो भी जहर है, वो मेरे ऊपर डाल दो, मैं उसे पी जाऊंगा,आप बस एक-दूसरे की तारीफ करो, एक-दूसरे को प्रोत्साहित करो और आगे बढ़ो।'

वास्तव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनौती को साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन है। वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है, जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है। कांग्रेस की कमान पहले करन माहरा को दे दी गई थी, परन्तु वे कांग्रेस में कोई चमत्कार नही कर पाये। यहां तक कि कार्यकारिणी तक नही बना सके थे। हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट के जरिए अपनी बात दोहराई और साफ कहा कि उनकी टिप्पणी को 'पावर मूव' यानी शक्ति प्रदर्शन के रूप में न देखा जाए, रावत ने लिखा, 'पार्टी ने मुझे सब कुछ दिया है, आज भी मेरे समर्थक इसे अपने तरीके से परिभाषित करते हैं और मेरे आलोचक अपने तरीके से। जब पार्टी एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है, तो क्या मेरा कर्तव्य नहीं कि मैं उसे जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए अपनी सेवाएं दूं।' यदि कांग्रेस को सन 2027 में आना है तो उसे पार्टी के प्रति वफादारों को तवज्जो देनी होगी।

– डॉ श्रीगोपाल नारसन

नई पीढ़ी, निरंतर संवाद और शताब्दी के बाद भी जीवंत संगठनात्मक ऊर्जा

जे. नंदकुमार

सौ वर्ष पूरे कर चुका कोई संगठन सामान्यतः अपनी आयु के भार से पहचाना जाता है। उसके इतिहास की चर्चा उसके वर्तमान से अधिक होती है और उसकी स्मृतियाँ उसके भविष्य पर हावी होने लगती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संदर्भ में स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है। संघ की शताब्दी का सबसे उल्लेखनीय पक्ष उसका अतीत नहीं बल्कि उसकी युवा होती वर्तमान चेतना है। आज यदि संघ की किसी शाखा में जाएँ तो वहाँ उसकी शताब्दी का भार नहीं, बल्कि सोलह वर्ष की ऊर्जा दिखाई देती है। यही वह बिंदु है जहाँ संघ और नई पीढ़ी के संबंध को समझना आवश्यक हो जाता है।

हाल ही में मुंबई में 6 अगस्त को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का युवाओं के साथ संवाद इसी वास्तविकता का सहज उदाहरण बनकर सामने आया। Gen-Z की भाषा और अभिव्यक्ति के एक लोकप्रिय संकेत को उन्होंने स्वयं अपनाया और मुस्कराकर कहा– 'आज मैंने आपसे एक नई अभिव्यक्ति सीखी।' यह छोटा-सा प्रसंग केवल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ कोई मनोरंजक दृश्य नहीं था। इसके पीछे एक गहरा सामाजिक और संगठनात्मक संदेश छिपा था-पीढ़ियों के बीच संवाद तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे से सीखने को तैयार हों।

आज Gen-Z और Gen-Alpha को लेकर दुनिया भर में चर्चा है। यह ऐसी पीढ़ी है जो डिजिटल तकनीक के साथ बड़ी हुई है, जिसकी भाषा पिछली पीढ़ियों से अलग है, जिसके प्रश्न अलग हैं और जिसकी सामाजिक संवेदनाएँ भी बदल रही हैं। इसलिए स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि एक शताब्दी पुराने संगठन का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति इस पीढ़ी से इतनी सहजता से कैसे संवाद स्थापित कर पाता है? इसका उत्तर किसी संचार-तकनीक में नहीं बल्कि संघ की मूल संगठनात्मक संस्कृति में छिपा है।

संघ का आरंभ ही युवा ऊर्जा से हुआ : संघ को समझने के लिए उसके इतिहास के प्रारंभिक क्षणों को याद करना होगा। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जब कुछ बालकों को साथ लेकर संगठनात्मक कार्य का प्रारंभ किया, तब उनके पास न कोई विशाल संस्थागत ढाँचा था, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही किसी स्थापित शक्ति का संरक्षण। उनके पास था-युवा मन, संगठन का संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण। शुरूआत में संघ को 'बच्चों का खेल' कहा गया। उसे 'बॉयज क्लब' कहकर उसकी उपेक्षा की गई। लेकिन इतिहास की विडंबना देखिए कि जिस संगठन को कभी बच्चों का खेल समझा गया, उसी ने आगे चलकर देश के सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतिबंध आए। आपातकाल आया। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ आईं। अनेक स्वयंसेवकों को कठिनाइयों और यातनाओं का सामना करना पड़ा। हर संकट में एक पीढ़ी ने दूसरी पीढ़ी को पीछे छोड़ते हुए दायित्व संभाला। संघ का इतिहास वास्तव में पीढ़ियों के हस्तांतरण का इतिहास है। यही उसकी सबसे बड़ी संगठनात्मक शक्ति है।

संगठन की आयु और उसकी ऊर्जा : 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार संघ की शाखाओं की संख्या 88,949 तक पहुँची है। लेकिन किसी संगठन की शक्ति केवल उसकी संख्या से नहीं मापी जाती। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि उन शाखाओं में सक्रिय कौन है? उत्तर है–युवा। 2025 के विजयादशमी कार्यक्रम में 27,08,186 तरुण और 5,36,955 बाल स्वयंसेवकों की सहभागिता तथा देशभर के पथसंचलनों में लाखों युवाओं और बाल स्वयंसेवकों की भागीदारी केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है। यह उस सामाजिक ऊर्जा का संकेत है जो संघ के संगठनात्मक जीवन को निरंतर गतिशील बनाए हुए है। दैनिक शाखाओं में 60 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी इस तथ्य को और स्पष्ट करती है। कोविड जैसी असाधारण परिस्थिति में भी लगभग 61 प्रतिशत दैनिक शाखा सहभागियों का विद्यार्थी होना यह बताता है कि संघ की संगठनात्मक धारा का बड़ा हिस्सा नई पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि संघ को केवल सौ वर्ष पुरानी संस्था कहना अधूरा होगा। संघ सौ वर्ष पुराना है; लेकिन उसकी संगठनात्मक ऊर्जा लगातार नई होती रही है। शायद इसी अर्थ में कहा जा सकता है-संघ की आयु सदा सोलह वर्ष है।

नई पीढ़ी केवल सहभागी नहीं, उत्तराधिकारी भी है : युवा शक्ति की वास्तविक परीक्षा केवल किसी कार्यक्रम में उपस्थिति से नहीं होती। वह तब सामने आती है जब युवा अपने समय, प्रतिभा और सुविधा का त्याग कर किसी व्यापक उद्देश्य के लिए स्वयं को समर्पित करता है। शताब्दी वर्ष में पूर्णकालिक विस्तारक के रूप में दो वर्ष देने के आह्वान पर 2,453 स्वयंसेवकों का आगे आना इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह उस पीढ़ी की तस्वीर प्रस्तुत करता है जिसके बारे में अक्सर कहा जाता है कि वह सुविधा, तात्कालिकता और व्यक्तिगत सफलता को सर्वोच्च मानती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। आज भी हजारों युवा ऐसे हैं जो अपने व्यक्तिगत जीवन की गति को कुछ समय के लिए रोककर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का निर्णय लेते हैं। यही किसी भी विचार-आधारित संगठन के भविष्य की वास्तविक पूँजी होती है। 2025 की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के संदर्भ में प्रस्तुत आँकड़ा भी उल्लेखनीय है। प्रारंभिक वर्ग में सहभागी 2,22,962 स्वयंसेवकों में से 1,63,000 की आयु 14 से 25 वर्ष के बीच थी। यह संख्या एक प्रश्न भी पूछती है- क्या हम युवा पीढ़ी को केवल उपभोक्ता मानते हैं या उसे समाज-निर्माण का सक्रिय कर्ता भी मानते हैं? संघ की संगठनात्मक दृष्टि का उत्तर स्पष्ट है। युवा भविष्य नहीं है; युवा वर्तमान का कर्ता है।

डिजिटल पीढ़ी और शाखा का प्रत्यक्ष संवाद : आज के युवा की दुनिया बदल गई है। उसका सामाजिक संपर्क मोबाइल स्क्रीन पर है, सूचना का प्रवाह सेकंडों में होता है और उसकी भाषा लगातार बदलती रहती है। ऐसे समय में किसी शताब्दी पुराने संगठन का उसके साथ संवाद स्थापित कर पाना अपने आप में अध्ययन का विषय है। लेकिन यहाँ संघ की एक विशेषता सामने आती है। संघ ने नई पीढ़ी से संवाद करने के लिए केवल नई भाषा सीखने की कोशिश नहीं की; उसने उसके बीच जाकर संवाद की परंपरा को ही निरंतर बनाए रखा। "Join RSS" जैसे ऑनलाइन माध्यम से कोविड काल में 1,25,000 युवाओं द्वारा संघ से जुड़ने की इच्छा व्यक्त करना इसी बदलते परिवेश का संकेत है। 2012 में इस मंच की शुरूआत के बाद से लाखों युवाओं ने इसके माध्यम से संघ की गतिविधियों में रुचि दिखाई है। यहाँ डिजिटल माध्यम साधन है; संबंध का मूल आधार नहीं। मूल आधार है- प्रत्यक्ष संपर्क। शाखा का पूरा ढाँचा इसी प्रत्यक्ष संपर्क पर आधारित है। व्यक्ति से व्यक्ति संवाद, साथ बैठना, साथ खेलना, साथ सीखना और साथ काम करना- यह संगठनात्मक पद्धति किसी सोशल मीडिया एल्गोरिद्म पर निर्भर नहीं है। शायद यही कारण है कि संघ डिजिटल युग की पीढ़ी से संवाद करते हुए भी अपनी मूल संगठनात्मक प्रकृति को बनाए रख सकता है।

Clock it" से आगे की कहानी : मुंबई का वह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसमें एक प्रतीक छिपा हुआ है। जब एक वरिष्ठ व्यक्ति युवा की भाषा में प्रयुक्त अभिव्यक्ति को सहजता से स्वीकार करता है, तो वह केवल युवा होने का अभिनय नहीं कर रहा होता। वह यह संदेश दे रहा होता है कि सीखना किसी एक आयु-वर्ग का विशेषाधिकार नहीं है। युवा वरिष्ठों से अनुभव लेता है। वरिष्ठ युवाओं से नवीनता सीखते हैं। यही संवाद किसी संगठन को जीवित रखता है। यदि कोई संगठन केवल अपनी पुरानी पीढ़ी की भाषा में बोलता रहे, तो वह धीरे-धीरे संग्रहालय में बदल जाता है। और यदि वह अपनी मूल दृष्टि छोड़कर केवल नई पीढ़ी की भाषा की नकल करने लगे तो उसकी पहचान समाप्त हो जाती है। संघ के सामने चुनौती इन दोनों अतियों से बचने की है। मूल्य स्थिर रहें, अभिव्यक्ति समयानुकूल हो। ध्येय स्थिर रहे, कार्यपद्धति गतिशील हो। विचार की निरंतरता रहे, लेकिन पीढ़ियों के बीच संवाद खुला रहे। संघ की शताब्दी के संदर्भ में यही सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है।

युवा सपनों को पंख मिले, तभी नई ऊंचाईयां छुएगा भारत

योगेश कुमार गोयल

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) पर विशेष

युवा किसी भी राष्ट्र की जनसंख्या का केवल एक बड़ा हिस्सा नहीं बल्कि उसकी ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार, परिवर्तन की आकांक्षा और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाज और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग-अलग दिखाई दें लेकिन उनके सपनों और आकांक्षाओं में आश्चर्यजनक समानता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन, सामाजिक न्याय, स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा अपने भविष्य से जुड़े निर्णयों में सार्थक भागीदारी, ये ऐसी साझा आकांक्षाएं हैं, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे पूरी दुनिया के युवाओं को एक सूत्र में जोड़ती हैं। इसी सार्वभौमिक सत्य को रेखांकित करता है अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय ह्यविभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएंह्न। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस वर्ष की थीम वैश्विक एकजुटता, साझा चुनौतियों और युवा नवाचार को केंद्र में रखती है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस की अवधारणा 1991 में वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के विश्व युवा मंच के प्रथम सत्र में युवाओं द्वारा रखे गए प्रस्ताव से विकसित हुई थी और 12 अगस्त 2000 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। तब से यह दिवस युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाने तथा उन्हें विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाने का माध्यम बना हुआ है। वर्ष 2026 की थीम अपने आप में आज की युवा पीढ़ी की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। दुनिया का कोई युवा युद्ध और विस्थापन के बीच भविष्य तलाश रहा है, कोई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित छोटे द्वीपीय देश में अपने अस्तित्व की चिंता कर रहा है तो कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेजी से बदलती रोजगार व्यवस्था के बीच अपने कौशल को प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। कहीं युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं मिलती, कहीं शिक्षा तो है लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं। कहीं डिजिटल तकनीक अवसरों के नए द्वार खोल रही है तो कहीं डिजिटल विभाजन युवाओं को विकास की मुख्यधारा से बाहर कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का आकलन बताता है कि शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल समावेशन और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अलग-अलग परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं को साझा रूप से प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद युवा दुनिया की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति हैं। वे जलवायु कार्रवाई में नेतृत्व कर रहे हैं, सामाजिक उद्यम खड़े कर रहे हैं, डिजिटल समाधान विकसित कर रहे हैं, नई तकनीकों को अपना रहे हैं और अपने समुदायों की समस्याओं के स्थानीय समाधान खोज रहे हैं। भारत के लिए वर्ष 2026 का विषय बेहद प्रासंगिक है। राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 2021 के अनुमान में लगभग 37.14 करोड़ यानी कुल आबादी का लगभग 27.3 प्रतिशत थी। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है लेकिन तभी, जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। उसी नीति दस्तावेज में यह भी रेखांकित किया गया है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण से बाहर हैं।

भारत में विभिन्न कार्यक्रम युवाओं की क्षमता को अलग-अलग क्षेत्रों में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन इन योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यह है कि उनका लाभ अंतिम पंक्ति के युवा तक कितनी प्रभावी ढ़ंग से पहुंच रहा है। आज युवा केवल नौकरी नहीं चाहता बल्कि वह ऐसी व्यवस्था चाहता है, जिसमें उसकी मेहनत, योग्यता और समय का सम्मान हो। यही कारण है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, पेपर लीक, परिणामों में देरी और नियुक्तियों की अनिश्चितता जैसे मुद्दे युवाओं के लिए उनके जीवन के वर्षों और सपनों से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं। दिल्ली का जंतर-मंतर इस युवा बेचैनी और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरा। परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मुद्दे पर वहां हुए युवा विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया कि अलग-अलग राज्यों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थी तथा अभ्यर्थी एक साझा मांग (परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही) के साथ खड़े हो सकते हैं। जून-जुलाई 2026 में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर चले प्रदर्शन में देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी, अभिभावक और अभ्यर्थी पहुंचे। कुछ प्रदर्शनकारी लंबे समय तक वहां डटे रहे और परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग उठाते रहे।

इसी पृष्ठभूमि में झारखंड में युवाओं का हालिया आक्रोश इस वर्ष की थीम को और अधिक जीवंत बना देता है। राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जुलाई से अगस्त 2026 तक आंदोलन तेज हुआ। 22 जुलाई को जेपीएससी ने राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा स्थगित की और इसी दौरान सीआईडी ने परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कुछ लोगों की गिरफ्तारी की, जिसके बाद अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक रूप लिया। 30 जुलाई को रांची में युवाओं और छात्र संगठनों ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में मार्च निकाला और 14वीं जेपीएससी परीक्षा की जांच तथा भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग की। अगस्त में आंदोलन और तीव्र हुआ तथा 10 अगस्त को हजारों युवा विधानसभा की ओर मार्च करते हुए पुलिस से भिड़ गए। पुलिस द्वारा आंसू गैस, पानी की बौछार और बल प्रयोग किए जाने की खबरें सामने आई। यह घटनाक्रम बताता है कि जब युवाओं के भीतर रोजगार, परीक्षा की निष्पक्षता और भविष्य की सुरक्षा को लेकर लंबे समय तक असुरक्षा जमा होती रहती है तो असंतोष व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकता है।

इन आंदोलनों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि युवा अब केवल नीति के लाभार्थी बने रहना नहीं चाहते; वे नीति और व्यवस्था की गुणवत्ता पर सवाल पूछने वाले सक्रिय नागरिक भी हैं। परीक्षा में वर्षों की मेहनत लगाने वाले विद्यार्थी के लिए एक कथित पेपर लीक या भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता केवल एक परीक्षा का संकट नहीं होती। उसके पीछे परिवार की आर्थिक उम्मीदें, कई वर्षों की तैयारी, मानसिक दबाव और जीवन की दिशा जुड़ी होती है। यही कारण है कि पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती व्यवस्था आज युवा आकांक्षाओं की सबसे महत्वपूर्ण मांगों में शामिल है। दिल्ली का जंतर-मंतर हो या रांची की सड़कें, परिस्थितियां अलग हैं लेकिन आकांक्षा एक ही है; योग्यता का सम्मान, व्यवस्था में पारदर्शिता और भविष्य का भरोसा। इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक विरोध या कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में देखना युवा मनोविज्ञान को समझने में चूक होगी। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध युवाओं के नागरिक अधिकारों और उनकी सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। साथ ही आंदोलनों का शांतिपूर्ण रहना, संवाद के रास्ते खुले रखना और किसी भी प्रकार की हिंसा से बचना भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था बनाई जाए, जिसमें प्रश्नपत्र की सुरक्षा से लेकर परिणाम और नियुक्ति तक हर चरण पारदर्शी हो। परीक्षा कैलेंडर का कठोर पालन, तकनीकी सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी, त्वरित शिकायत निवारण और दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

अतुल गोयल

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं', जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'यूथ इन इंडिया 2022' रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया। मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे।

जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है। वहां जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में युवा और अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त 2026 को रांची में विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया तथा पुलिस ने आंसू गैस, पानी की बौछार और लाठी का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता, कथित अनियमितताओं की जांच और जवाबदेही शामिल है। झारखंड का आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां युवाओं की समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। सरकारी रोजगार के सीमित अवसर, आर्थिक पिछड़ापन, प्रतियोगी परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर सकते हैं। जब किसी युवा के लिए सरकारी नौकरी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है, तब परीक्षा में कथित गड़बड़ी उसके लिए केवल परीक्षा की समस्या नहीं बल्कि उसके पूरे भविष्य पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। हालिया घटनाओं ने इसी बेचैनी को सार्वजनिक रूप दिया है।

इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना युवाओं की मूल पीड़ा को समझने में बाधक होगा। युवाओं के आक्रोश में राजनीतिक स्वर भले जुड़ जाएं लेकिन उसकी मूल जमीन अक्सर बहुत साधारण होती है, निष्पक्ष परीक्षा, समय पर परिणाम, पारदर्शी भर्ती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार। आज युवा केवल नौकरी मांगने वाली पीढ़ी नहीं है। वह रोजगार पैदा करने वाली पीढ़ी भी है। स्टार्टअप से लेकर सामाजिक उद्यमिता, डिजिटल सेवाओं से लेकर ग्रामीण नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर हरित तकनीक तक युवा नए समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक आंदोलनों में भी युवाओं की सक्रिय भूमिका रही है। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को जलवायु कार्रवाई, सामाजिक उद्यम, डिजिटल समाधान और सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण वाहक के रूप में रेखांकित करता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल युवाओं को रोजगार देने की नहीं बल्कि उनके भीतर मौजूद क्षमता को सही अवसर देने की है। शिक्षा व्यवस्था को डिग्री-केंद्रित होने के बजाय कौशल, शोध, रचनात्मकता और रोजगार-उन्मुख बनाना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रणाली, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और समयबद्ध परिणामों को प्राथमिकता देनी होगी।

आज का राशिफल

मेष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

वृष- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तक-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी।

सिंह- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

कन्या- शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा।

तुला- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवासए मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृश्चिक- स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा।

धनु- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मकर- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा।

कुंभ- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मीन- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

छबड़ा में स्टेट बैंक के नीचे सार्वजनिक शौचालय तोड़ने से व्यापारी परेशान, नए निर्माण की मांग

चमकता राजस्थान/छबड़ा (संवाददाता)। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत प्रेमजी होटल के सामने, स्टेट बैंक के नीचे स्थित सार्वजनिक शौचालय को नगर पालिका प्रशासन द्वारा हाल ही में ध्वस्त कर दिया गया है। शौचालय तोड़े जाने के बाद से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

९थानीय व्यापारियों का कहना है कि यह शौचालय बाजार के मध्य स्थित होने के कारण दुकानदारों, ग्राहकों और दूर-दराज से आने वाले आम लोगों के लिए बहुत सुविधाजनक था। इसके टूट जाने के कारण अब आसपास के दुकानदारों और दैनिक ग्राहकों को नित्य कर्म व शौच के लिए भटकना पड़ रहा है, जिससे उन्हें व्यापार छोड़कर दूर जाना पड़ता है।

व्यापारियों का कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के शौचालय को अचानक तोड़ दिया गया, जिससे पूरे बाजार क्षेत्र में भारी असुविधा हो रही है।

- **जल्द निर्माण की मांग**

क्षेत्रीय दुकानदारों ने नगर पालिका प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए इस स्थान पर जल्द से जल्द नए आधुनिक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जाए। दुकानदारों का कहना है कि यदि शीघ्र ही शौचालय निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो व्यापारियों को मजबूरन प्रशासनिक स्तर पर अपनी बात रखनी पड़ेगी।

ब्यावर जिले की आंगनबाड़ियों में आयोजित हुई PAM (अमावस्या) बैठक

चमकता राजस्थान/ब्यावर, 12 अगस्त 2026। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में बुधवार को ब्यावर जिले की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर PAM (अमावस्या) बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य अभिभावकों को आंगनबाड़ी की गतिविधियों से जोड़ना तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। बैठक के दौरान अभिभावकों को बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भाषा एवं संवाद, सामाजिक-भावनात्मक, रचनात्मक तथा सीखने के विकास के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के विकास में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए अभिभावकों को घर पर बच्चों के साथ खेल-खेल में सीखने वाली गतिविधियां करवाने के लिए प्रेरित किया गया। खरवा सेक्टर में आयोजित PAM (अमावस्या) बैठक में उप निदेशक श्रीमती नीरू सांखला ने सहभागिता की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों से संवाद करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों में अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया।

श्री कृष्ण गौ शाला मांडल मे पौधारोपण किया

चमकता राजस्थान/ महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। नगर माहेश्वरी सभा और माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वाधान में हरियालीअमावस पर्व पर पौधारोपण किया, पौधारोपण मे जामुन, सीताफल, सहतूत आदि किस्म के पौधे लगाए गए. कार्यक्रम मे अध्यक्ष ओम तोतला, सत्यनारायण आगाल, मनीष पटवारी,केदार बिड़ला, संजय बिड़ला, प्रवीण पटवारी,जगदीश जाजू, गोपाल ईनानी,सूर्यनारायण तोतला,आशा पटवारी, चंदा झंवर, सुधा बिड़ला, रेणु आगाल, गरिमा लड्ढा, मोनिका जाजू, इंदु पटवारी, मोनिका बिड़ला, पार्वती तोतला,सीमा तोतला, लाड़ जाजू, ईशा तोतला, प्रविणा बिडला आरती बिडला वंदना बिडला़आदि सदस्य उपस्थित रहे. वृक्ष लगाओ पर्यवाराण बचाओ का मुख्य उद्देश्य रहा

मांडल में जेनिथ स्कूल ने मनाया हरित दिवस

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। मांडल कस्बे के जेनिथ स्कूल के छात्रों ने हरियाली अमावस्या को हरित दिवस के रूप में मनाया। संस्था निदेशक महेश पाराशर ने बताया कि हरियाली अमावस्या पर बच्चों ने आज प्रकृति से वर्षा की कामना के लिए प्रकृति के आवेश में रंग कर वृक्षारोपण किया। बच्चे आज हरि वेशभूषा पहन कर आए। विद्यालय एवं स्टेडियम में वृक्षारोपण किया। विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गई। इस अवसर पर स्नेहलता टेलर, निशा प्रजापत, विशाल सेन, मुकेश मेघवंशी, आरती प्रजापत, निकहत, अंजु, दिव्यांश पाराशर सहित स्कूल समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक सहकर्मी उपस्थित रहे।

एसआरकेपीएस के राज्य समन्वयक हिरेंद्र सेवदा ने कार्यशाला में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू

चमकता राजस्थान/जयपुर। उत्पाद अधिनियम (कोटपा), 2003 के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा 4 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पूर्णतः प्रतिबंधित है, चेतावनी बोर्ड प्रदर्शित करना अनिवार्य है। धारा 5 के अनुसार तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं धारा 6(अ) के तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचना दंडनीय अपराध है तथा धारा 6(ब) के अनुसार किसी भी शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। इसके अतिरिक्त धारा 7 के तहत सभी तंबाकू उत्पादों पर स्वास्थ्य संबंधी चित्रात्मक चेतावनी अनिवार्य किया गया है।

राजस्थान में पहली बार बनाए जा रहे हैं जिलैरी सहित सवा लाख पार्थिव शिवलिंग

250 भक्तों की टीम 12 घंटे जुटी रहती है अनुष्ठान में

चमकता राजस्थान

बीकानेर। सावन माह मिट्टी के सवा लाख शिवलिंग तो हर बार बनते हैं लेकिन इस बार छोटीकाशी नाम से जगविख्यात बीकानेर में जिलैरी सहित सवा लाख शिवलिंग का निर्माण हो रहा है। गोपेश्वर बस्ती स्थित मोदी कुआं स्थित श्रीजंगलेश्वर महादेव में पिछले करीब 10 दिन से जिलैरी सहित पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर से जुड़े शिव भक्त किशन मोदी ने बताया कि बीकानेर में पहली बार जिलैरी सहित शिवलिंग बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेरे मन में विचार आया कि सावन के महीने में भक्त केवल शिवलिंग ही क्यों बनाते हैं। भगवान शिव की पूजा करने वाले भक्त साथ में मां पार्वती की पूजा करें तो अधिक फलदायी होती है। पंडितों से पूछने और आध्यात्मिक किताबों से जानकारी मिली कि शिवजी जिस जगह विराजित रहते हैं यानी जिलैरी वह मां पार्वती का ही रूप है। तभी से ये ख्याल आया कि अब तो सावन के महीने में जिलैरी सहित सवा लाख पार्थिव ही बनाएंगे। फिर हमारे सामने यह समस्या आई कि जिलैरी वाला एक शिवलिंग बनाने में करीब आधा घंटे का समय लगेगा। ऐसे में एक आदमी एक दिन में ज्यादा से ज्यादा चार पांच दर्जन ही बना पाएगा। ऐसे में संचे बनवाने का विचार आया। पहले बीकानेर में संचे की तलाश की तो किसी ने बताया कि ऐसा सोचा तो काशी, बनारस या उज्जैन में कहीं मिलेगा। इसी सोच के साथ मैं तीनों जगहों पर पहुंचा। आखिर में मुझे उज्जैन में जिलैरी वाले शिवलिंग का संचा मिला। मैंने वहां से 10 संचे लिए और बीकानेर आ गया। फिर यहां बात कर 225 संचे और तैयार करवाए। इसके बाद बीकानेर में अपने साथियों को इसके बारे में बताया तो सभी ने मेरा हौंसला बढ़ाया और सावन शुरू होने से पहले साथ खड़े हो गए। श्रीकोलायतजी से मिट्टी मंगवाई गई। सावन शुरू होते ही श्रीजंगलेश्वर महादेव की कृपा से जिसे भी हमारे अनुष्ठान के बारे में पता चला अपने आप जुड़ता चला गया। अब 250 भक्त 12 घंटों तक अनवरत जिलैरी वाले शिवलिंग बनाने में जुटे रहते हैं। पार्थिव शिवलिंग बनाने में पांच साल के बच्चे से लेकर 80 साल तक की महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। मोदी ने बताया कि पहले दिन जहां 1100 पार्थिव शिवलिंग बने जो बढ़ते बढ़ते अब प्रतिदिन 7100 का आंकड़ा छू रहा है। प्रतिदिन बनने वाले शिवलिंग का अगले दिन 11 पंडितों द्वारा सामूहिक रूद्राभिषेक किया जाता है। सावन के अंतिम दिन इन शिवलिंगों को कपिल सरोवर में विसर्जित किया जाएगा। प्रतिदिन बनने वाले शिवलिंग को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा जा रहा है। मोदी ने बताया कि शिवलिंग तीन रंगों में तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिलैरी वाले शिवलिंगों का तिथि अनुसार श्रृंगार किया जाएगा। 15 अगस्त को तीन रंगों से शिव का तिरंगा और हरियाली अमावस्या पर हरियाली श्रृंगार किया जाएगा। तीसरे सोमवार को युवा कोलायत से कांवड़ लेकर आएंगे। इसके अलावा हर दिन सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक सामूहिक रूद्राभिषेक होता है। जिलैरी वाले पार्थिव शिवलिंग बनाने में अविनाश मोदी, वैभव मोदी, किसन मोदी, सावित्री मोदी, झंवरलाल मोदी (खत्री), मोनिका मोदी, महेश शर्मा, विकास मोदी, भंवर महाराज, पंकज व्यास, प्रहलाद व्यास, मयंक सूरदासानी, सरला मोदी, प्रवीण मोदी,शिव मोदी, किशोर मोदी, शिव मंगल गिरी (ऋषिकेश), रंजीत यादव, विष्णु मोदी, गौरी मोदी, अमरचंद सुथार, जयसिंह राजपुरोहित, मनीष पूनिया, लवलेश मोदी और लीलाधर महिया सहित करीब ढाई सौ शिवभक्त 12 घंटों तक जिलैरी वाले शिवलिंग बनाने में जुटे रहते हैं।

ढोल-बैंड और डीजे की धुन पर नाचते-गाते पहुंचे हजारों श्रद्धालु

हरियाली अमावस्या पर डग से क्यासरा तक निकली भव्य कलश यात्रा

9 किमी पैदल चलकर महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर किया जलाभिषेक

चमकता राजस्थान

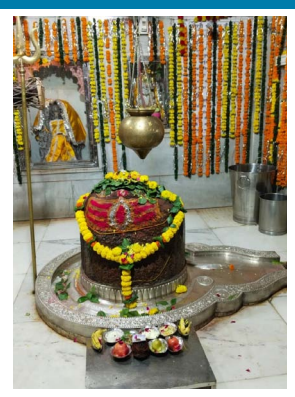

डग-12 अगस्त(कुन्दन व्यास)। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों के तत्वावधान में डग से श्री कायावर्णेश्वर महादेव मंदिर क्यासरा तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में डग कस्बे एवं आसपास क्षेत्र की महिला,पुरुष एवं बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया।माँ गायत्री मंदिर से प्रारंभ हुई भव्य कलश यात्रा।सुबह 8 बजे से माँ गायत्री मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं का हुआ एकत्रितकरण।यहां बड़ी संख्या में महिला,बच्चे एवं पुरुष एकत्रित हुए।ढोल,बैंड एवं डीजे की धुन पर झमाझम बारिश में नाचते-गाते श्रद्धालु 9 किलोमीटर पैदल डग से क्यासरा महादेव मंदिर पहुंचे। कई माताओं-बहनों ने सिर पर कलश धारण कर देश में सुख-समृद्धि की कामना की।जगह-जगह हुआ स्वागत यात्रा का मार्ग में जगह-जगह स्वागत किया गया।जगह जगह पर केले,खीर,फरियाली खिचड़ी,फरियाली मिक्चर का वितरण किया गया एवं पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का अभिनंदन किया गया।यात्रा को सफल बनाने में यात्रा प्रभारी लालचंद प्रेमी,अरविंद लाडौती,सुरेश कुमावत,जितेन्द्र पंवार,विक्रम,मुकेश वर्मा,दीपक खटीक सहित कार्यकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। थानाधिकारी भंवर सिंह ने पुलिस जाप्ता तैनात कर कलश यात्रा एवं ट्रैफिक की पुख्ता व्यवस्था कराई,ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।क्यासरा में हुआ जलाभिषेक एवं पूजा क्यासरा महादेव मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से भगवान शिव का जलाभिषेक किया।इसके बाद पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया।मान्यता है कि हरियाली अमावस्या पर दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए आते हैं और मन्नतें पूर्ण होती हैं। क्यासरा महादेव में मेले जैसा रहा माहौल श्रावण मास में क्यासरा महादेव पर हर वर्ष मेला लगता है।इस बार भी बच्चों के खिलौने,धार्मिक सामग्री,पूजा सामग्री एवं होटल सहित कई प्रकार की दुकानें सजीं।हर अमावस्या की रात यहां भजन संध्या का आयोजन भी होता है।

"शक्तिशाली युवा, शक्तिशाली भारत" अभियान के तहत युवाओं को विधिक अधिकारों की जानकारी दी

चमकता राजस्थान/ब्यावर माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान के अनुसार एवं श्रीमान अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर के निर्देशानुसार सोनल पारीख, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश), ब्यावर द्वारा 12.अगस्त .2026 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जवाजा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को युवाओं के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, शिक्षा के अधिकार तथा न्याय तक पहुँच के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों, मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक नुकसान तथा नारकोटिक ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस अधिनियम के अंतर्गत दण्डात्मक प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही ठअछरअ खअत्रक्ष्क्ळक रूीं, 2025 के अंतर्गत संचालित ''शक्तिशाली युवा, शक्तिशाली भारत'' (ऐस्त्रङ्गद्दीशीि ङ्ग४३ॅ, र३१ङ्गल्लीं१ क्लर्ऱ्) जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को विधिक साक्षरता, किशोर न्याय, युवाओं के लिए न्याय तक पहुँच, कानून के साथ संघर्षरत किशोरों के अधिकारों के संरक्षण तथा प्रथम बार अपराध करने वाले किशोरों के पुनर्वास संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत युवाओं को विधिक जागरूकता गतिविधियों, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, विधिक अधिकार सप्ताह, नुक्कड़ नाटक एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। शिविर के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध पेयजल व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की गई। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं विधिक जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारियाँ उत्साह और उमंग के साथ चल रही हैं

चमकता राजस्थान/सोईंतरा। शेरगढ़ । रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ। मां आशापुरा आदर्श विद्यालय सोईंतरा में स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारियाँ जोश और उत्साह के साथ चल रही हैं। जिसमें विद्यार्थी उत्साह और अनुशासन के साथ तैयारी में लगे हुए हैं। संस्था प्रधान सवाई सिंह फलसूंड ने बताया कि इससे विद्यार्थियों में अनुशासन और देश प्रेम की भावना विकसित होती हैं।पूर्व अभ्यास कार्यक्रम प्रभारी अध्यापक रावल सिंह फलसूंड के निर्देशन में विद्यालय स्टाफ कपिला शर्मा संजू शर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ की देखरेख में व्यायाम प्रदर्शन सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

मासूमों की जिंदगी पर मंडराता खतरा: फैजपुरा-पीपलू सरहद से तेलनी स्कूल जाने वाले छात्र जान जोखिम में डालने को मजबूर

चमकता राजस्थान

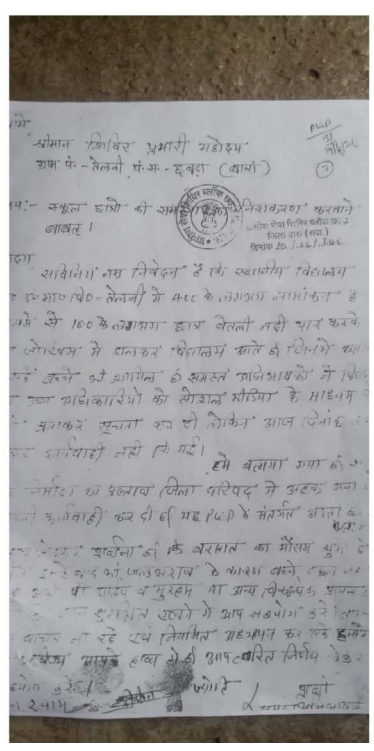

विशेष संवाददाता` छबड़ा (बारां) कक्षा 1 से 12 तक के अपने लाडले-लाडलियों को हंसते-खेलते स्कूल भेजते वक्त फैजपुरा और पीपलू सरहद के अभिभावकों का कलेजा कांप उठता है। हर सुबह मां-बाप के दिल में यही डर सताता है कि उनका चिराग शाम को सुरक्षित घर लौटेगा भी या नहीं। यह दर्दनाक तस्वीर छबड़ा पंचायत समिति क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तेलनी जाने वाले रास्ते की है, जहाँ हर बरसात में रास्ता दरिया बन जाता है।

- **शिविरों में दिए आवेदन, लेकिन फाइलें धूल फांक रहीं**

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने बताया कि जून और जुलाई माह में आयोजित प्रशासनिक शिविरों के दौरान दो बार लिखित में आवेदन देकर तेलनी विद्यालय से पीपलू सरहद तक 1 किलोमीटर सड़क एवं नाले पर पुलिया निर्माण की मांग की गई थी। शिकायत के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) के खएठ ने मौके का मुआयना किया, पूरा माप लिया और पुलिया व पाइप डालने की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। लेकिन वर्ष 2025 की तरह इस बार भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद धरातल पर काम शुरू नहीं हो सका है।

- **प्रशासन की अनदेखी से उफनते नदी-नालों के बीच सफर कर रहे नौनिहाल; दो-दो बार ज्ञापन देने के बाद भी नहीं बनी 1 किमी सड़क व पुलिया**

- **400 में से 100 छात्र रोज जोखिम में डालते हैं जान**

शाला परिसर और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तेलनी में लगभग 400 विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें से करीब 100 से अधिक छात्र-छात्राएं बैतली नदी व बरसाती नालों को पार करके जोखिम उठाकर स्कूल आते हैं। इनमें छोटी कक्षाओं के छोटे-छोटे मासूम बच्चे भी शामिल हैं।

- **₹क्या किसी हादसे के बाद जागेगा प्रशासन?**

अभिभावकों का कहना है कि जब तक कोई बड़ी अनहोनी या दुर्घटना नहीं हो जाती, तब तक प्रशासन गहरी नींद में सोया रहता है। ग्रामीणों ने गुहार लगाई है कि पक्की सड़क बनने में समय लग सकता है, तो प्रशासन कम से कम नदी-नालों पर तात्कालिक रूप से पुलिया या पाइप डालकर मुरम बिछाने की वैकल्पिक व्यवस्था करे, ताकि मासूमों की जान सुरक्षित रहे और उनकी पढ़ाई बाधित न हो।

संक्षिप्त समाचार

चितलवाना में ANTF की बड़ी कार्रवाई, एमडी बनाने की फैक्ट्री का किया भंडाफोड़

चमकता राजस्थान/चितलवाना । ANTF ने 5.18 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी किया बरामद,एक आरोपी मनोहरलाल विश्नोई निवासी जाणियों की ढाणी गिरधर धोरा को किया गिरफ्तार,निर्माणाधीन मकान व खेत में दबिश देकर एमडी बनाने के उपकरण व केमिकल किया बरामद,04 ड्रम व एक प्लास्टिक बोतल में 7 किलोग्राम केमिकल,इलेक्ट्रॉनिक कांटा,चूल्हा,फ्रिज,बिलौना मशीन व अन्य सामग्री जब्त,एमडी के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप भी की जब्त,आरोपी से पूछताछ जारी।

केसरियावाद थाना परिसर में सीएलजी बैठक आयोजित, विभिन्न मुद्दों पर दी जानकारी एवं नए सदस्य भी जोड़े गये.

चमकता राजस्थान/धरियावद। जिला पुलिस कप्तान विशाल जांगिड़ के निर्देश पर धरियावद सी ओ सर्कल के केसरियावाद। थाना परिसर में उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार थानाधिकारी रमेश चंद्र मीणा की अध्यक्षता में सीएलजी बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सीएलजी सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग, यातायात नियमों की पालना, महिला सुरक्षा तथा बाल अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचने की अपील की।

वहीं महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में तत्काल पुलिस को सूचना देने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बेझिझक पुलिस से संपर्क करने की बात कही गई। बैठक में क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, आपसी समन्वय एवं आमजन की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की गई।

थानाधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने सीएलजी सदस्यों से अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने का आह्वान किया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जसनगर में तिरंगा प्रदर्शनी एवं मेले का आयोजन

चमकता राजस्थान/नागौर / जसनगर। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जसनगर में तिरंगा प्रदर्शनी एवं तिरंगा मेले का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना, स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सहायक विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के अतुलनीय योगदान का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने प्रदर्शनी के माध्यम से बंग-भंग आंदोलन, मार्ले-मिंटो सुधार, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, क्रिप्स मिशन, 9 अगस्त 1925 के काकोरी कांड तथा 9 अगस्त 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन जैसी ऐतिहासिक घटनाओं की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन आंदोलनों और बलिदानों के परिणामस्वरूप देश को आज़ादी प्राप्त हुई और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रध्वज का सम्मान करते हुए देशभक्ति की भावना को सदैव बनाए रखे।

विपरीत परिस्थितियों में भी हर समाज के उत्थान और शिक्षा के लिए प्रतिबद्धः डॉ. विकास चौधरी

किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी ने हवाई अड्डे के पास विधायक कोष से निर्मित 'गुरु वशिष्ठ छात्रावास भवन' का फीता काटकर किया उद्घाटन, परिसर में किया पौधारोपण

चमकता राजस्थान

किशनगढ़। विधायक कोष से जन-जन के कल्याण और प्रत्येक समाज के सर्वांगीण विकास के संकल्प को साकार करते हुए किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी ने पुरानी सराना रोड, हवाई अड्डे के पास विधायक कोष से निर्मित 'गुरु वशिष्ठ छात्रावास भवन' का फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया और इसे बसीटा धोबी समाज को समर्पित किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विधायक डॉ. विकास चौधरी के कर-कमलों द्वारा छात्रावास परिसर में पौधारोपण भी किया गया, जिसके रखरखाव और देखभाल की पूर्ण जिम्मेदारी समाज बंधुओं ने सहर्ष स्वीकार की।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. विकास चौधरी ने कहा कि भले ही हम विपक्ष में हैं, लेकिन परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, किशनगढ़ के प्रत्येक समाज का सर्वांगीण उत्थान, युवाओं की शिक्षा और उनका कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा ही वह सबसे सशक्त माध्यम है जो समाज को तरक्की के नए शिखरों पर ले जा सकती है और 'गुरु वशिष्ठ छात्रावास' का यह निर्माण हमारी आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य एवं उनके अध्ययन के लिए एक मजबूत आधार स्तंभ साबित होगा। इस उद्घाटन समारोह में विशेष रूप से मातृशक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति अत्यंत गरिमामयी और प्रेरणादायी रही। कार्यक्रम के दौरान 'बसीटा धोबी समाज विकास समिति, मदनगंज-किशनगढ़' के पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं ने विधायक डॉ. विकास चौधरी का भव्य स्वागत, मान-सम्मान और आदर्श सत्कार किया। समाज द्वारा मिले इस अपार स्नेह और आत्मीयता पर गहरा आभार व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि समाज बंधुओं और मातृशक्ति का यह आशीर्वाद ही उन्हें क्षेत्र की सेवा में पूरी निष्ठा के साथ जुटे रहने की नई ऊर्जा देता है।

क्षेत्र के विभिन्न समाजों की आवश्यकताओं को चिन्हित कर उनके विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने की श्रृंखला में बसीटा धोबी समाज की लंबे समय से चली आ रही माँग को पूरा करते हुए विधायक कोष से इस छात्रावास का निर्माण पूर्ण कराया गया है।

इस अवसर पर विधायक चौधरी के साथ ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, नेता प्रतिपक्ष हमीदा बानो, पूर्व सभापति जगदीप गुर्जर, संगठन महासचिव किशन गहलोत, नगर अध्यक्ष आजम कुरैशी, महिला अध्यक्ष माया मैडम, जिला परिषद सदस्य गणेश गुर्जर, जगदीश गोरा, पार्षद महेंद्र यादव, गिर्राज गुर्जर सहित धोबी विकास समिति के अध्यक्ष जगदीश वर्मा, अमर चंद दोहड़िया,गोपाल सामरिया,संपत खैनीवाल,कैलाश तंवर ,शंकर खैनीवाल ,मोहन बानियां , किशनगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता, बसीटा धोबी समाज विकास समिति के पदाधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के अनूपगढ़ दौरे से पहले प्रशासन सतर्क

विरोध प्रदर्शन की आशंका पर माकपा नेताओं की गिरफ्तारी का आरोप

चमकता राजस्थान

रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई) अनूपगढ़ 14 अगस्त को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के अनूपगढ़ दौरे से पहले प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। संभावित विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए विभिन्न संगठनों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं पर नजर रखी जा रही है। इस बीच माकपा नेताओं ने प्रशासन पर विरोध की आवाज दबाने के लिए गिरफ्तारियां करने का आरोप लगाया है माकपा नेता श्योपत मेघवाल ने आरोप लगाया कि 14 अगस्त को मुख्यमंत्री के समक्ष नहरी पानी की समस्या, जीआर/मनरेगा से जुड़े मुद्दे, वन विभाग की कार्रवाई तथा जोहड़-पायतन भूमि पर बसे गांवों को उजाड़ने जैसे जनहित के मुद्दे उठाने का कार्यक्रम था। उनका कहना है कि इन समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन प्रशासन ने घबराकर माकपा नेताओं और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। मेघवाल ने कहा कि गिरफ्तारियों से आंदोलन कमजोर नहीं होगा और गरीबों, किसानों तथा मजदूरों के मुद्दों को लगातार उठाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनसमस्याओं का समाधान करने के बजाय विरोध करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। दूसरी ओर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की बात कही जा रही है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले हुई इन गिरफ्तारियों और विरोध के आरोपों को लेकर क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब सबकी नजर 14 अगस्त के कार्यक्रम और संभावित विरोध प्रदर्शन पर टिकी हुई है।

ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें : जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

डीग/ डीग जिला कलक्टर मयंक मनीष ने बुधवार को पंचायत समिति सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर तिरंगा अभियान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी उन्मूलन योजना, स्वामित्व योजना, ओपन जिम, अटल ज्ञान केंद्र सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों में गति लाने तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का सीधा संबंध आमजन की सुविधाओं एवं जीवन स्तर में सुधार से है। ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण करते हुए प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान के तहत निर्धारित गतिविधियों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

श्रीगंगानगरः एच माइनर पर जब्त लकड़ी को छोड़ने की तैयारी के आरोप, वन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)जिले में वन विभाग की कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के कुछ लोगों ने आरोप लगाया है कि 8 अगस्त को एच माइनर नहर क्षेत्र से सादुलशहर निवासी सुखविंदर सिंह के नाम से कथित रूप से काटी गई लकड़ी को वन विभाग ने जब्त किया था, लेकिन अब उसे छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर किनारे अवैध रूप से हरे पेड़ों की कटाई लगातार जारी है। उनका आरोप है कि वन विभाग द्वारा कार्रवाई के दौरान लकड़ी जब्त किए जाने के बावजूद बाद में मामले में नरमी बरती जा रही है। लोगों ने यह भी दावा किया कि विभागीय अधिकारियों के स्तर पर जब्त माल को छोड़ने की कोशिश की जा रही है।

ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि अवैध कटाई हुई है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए अभियान चला रही है, ऐसे में अवैध कटाई पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना आवश्यक है। हालांकि, इन आरोपों पर वन विभाग का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। यदि विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण प्राप्त होता है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

तेज बहाव में युवक बहा, प्रशासन व नगरवासी तलाश में जुटे

चमकता राजस्थान/धरियावद। थाना गदवास मे रहने वाला जाख्म नदी समीप थाना क्षेत्र में बारिश के बाद नदी में पानी का तेज बहाव होने के दौरान नदी के तेज बहाव में एक युवक नदी मे लकड़िया लेने सुरेश पिता होमला मीणा एवं अन्य ग्रामीण नदी से जलाऊ लकड़ी बह कर आ रही जिसे इकत्रित करने मे बह जाने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन एवं नगरवासी मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू की। नदी के आसपास तथा बहाव वाले क्षेत्र में तलाश अभियान जारी है। प्रशासन की ओर से भी लोगों से नदी के तेज बहाव के दौरान सावधानी बरतने और नदी के नजदीक नहीं जाने की अपील की गई है।वही धरियावद थानाधिकारी हजारी लाल मीणा सहित गहनता पूर्वक युवक कि खोज मे लगे हुवे है वही दोपहर से रात तक का×फी तपाश तक युवक का कही पता नहीं चला समाचार लिखने तक

विशेष योग्यजनो को अंग/उपकरण उपलब्ध कराने हेतु चिन्हीकरण शिविर

- **13.08.2026 से 25.09.2026 तक होंगे आयोजित।**

चमकता राजस्थान/जयपुर। वित्तीय वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा संख्या 32 द्वारा 'राज्य में विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं संबल प्रदान करने की दृष्टि से राज्य में 25 हजार दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग/उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिला डीग के 310 लाभार्थियों के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विशेष योग्यजन चिन्हीकरण एवं ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कराने हेतु दिव्यांग कल्याणकारी शिविरों का आयोजन जिले में 13.08.2026 से 25.09.2026 तक चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से पात्र विशेष योग्यजनों का चिन्हीकरण व आवश्यक उपकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन करवाया जाएगा। पंचायती राज विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के समन्वय से विशेष योग्यजनों को अंग/उपकरण हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन पोर्टल पर र.र.ड ढङ्ग१३': ६६६.२२ङ्ग.१२३ॅल.ङ्ग५.ल ''रखटरऊअढ-'' (उट रअठ वङळ रअलअ अळअ अठवऊअठ डखअठअ) पर किया जावेगा। दिव्यांग जिन्हें जीवन सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर, वैशाखी, ट्राईसाईकिल, हियरिंग एड आदि की जरूरत है, वह शिविरों में आकर अपना ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। जिला स्तर पर दिनांक 13.08.2026 से 14.08.2026 तक राजकीय अम्बेडकर छात्रावास डीग में शिविर आयोजित होगा।

विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने लगाए भारत माता के जयकारे, हर घर तिरंगा फहराने का दिया संदेश

सोईन्तरा में राष्ट्रभक्ति का जोश, तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे ग्रामीण

चमकता राजस्थान

शेरगढ़। रिपोर्टर रावल सिंह शेरगढ । भारतीय जनता पार्टी के खिरजा मंडल के तत्वावधान में बुधवार को ग्राम पंचायत सोईन्तरा में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के सानिध्य में आयोजित की गई हाथ में तिरंगा लेकर ग्रामीणों के साथ भारत माता के जयकारे लगाए। रैली के दौरान पूरा गांव देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और देशभक्ति के नारों के साथ निकली रैली ने गांव में राष्ट्रभक्ति का माहौल बना दिया। युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल तिरंगा फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने ग्रामीणों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

ग्रामीणों को हर घर तिरंगा फहराने के लिए किया प्रेरित

खिरजा भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद सिंह सोईन्तरा ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में राष्ट्रभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अभियान में सहभागिता करने की अपील की। रैली के दौरान ग्रामीणों एवं युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ तिरंगा लहराया। रैली गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली, जहां ग्रामीणों ने देशभक्ति के नारों के साथ अभियान का समर्थन किया।

संक्षिप्त समाचार

आगामी चुनाव में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए की आरक्षण की मांग

चमकता राजस्थान/नसीराबाद (हेमंत मनेठियां) आने वाले पंचायत राज एवं नगरीय निकाय चुनाव में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10% आरक्षण की मांग करते हुए राजस्थान मुख्यमंत्री के नाम नसीराबाद उपखंड अधिकारी को राजपूत सभा तहसील नसीराबाद इकाई के पदाधिकारी व सदस्यो द्वारा मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में बताया गया कि 103वे संविधान संशोधन में केंद्रीय व राज्य भर्ती सेवाओं में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10% आरक्षण प्रदान किया गया है।जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को संबल प्राप्त हुआ है। परंतु आगामी चुनाव में उक्त आरक्षण की अनदेखी की गई है। जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। ज्ञापन में सीटों का आरक्षण सहित आवंटन रोस्टर प्रणाली से किए जाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर श्री राजपूत सभा नसीराबाद तहसील अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, गोवर्धन सिंह राठौड़,नरेंद्र सिंह ,जितेंद्र सिंह ,देवेंद्र सिंह ,दशरथ सिंह ,अनुरोध सिंह आदि मौजूद रहे।

22वीं रन फॉर नेशन दौड़ में 410 प्रतिभागियों ने लिया भाग

- **मसूरी में प्रतिकूल मौसम मे 22वीं रन फॉर नेशन दौड़ में 410 प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।**

चमकता राजस्थान/देहरादून/मसूरी(ब्यूरो, दीपक शर्मा बामनवास) खेल एवं सांस्कृतिक समिति और रोटरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित दौड़ में खिलाड़ियों ने खेल भावना और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। मसूरी नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीरा सकलानी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। उनकी उपस्थिति में आयोजित 22वीं रन फॉर नेशन दौड़ में 410 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर खेल भावना और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। बारिश के बावजूद प्रतिभागियों का जोश देखते ही बना।

नेहरू पार्क में लगाया गया आकर्षक कैनवास तिरंगा

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण/बाड़ी। हर घर तिरंगा कार्यक्रम-2026 के तहत नगर पालिका बाड़ी द्वारा शहर में देशभक्ति का माहौल बनाने तथा नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अधिशाषी अधिकारी दीपक गोयल के निर्देशानुसार शहर के नेहरू पार्क में आकर्षक कैनवास तिरंगा स्थापित किया गया।नेहरू पार्क में लगाए गए कैनवास तिरंगे को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया है, जो पार्क में आने वाले नागरिकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसके माध्यम से आमजन को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर पालिका बाड़ी की ओर से शहरवासियों से अपील की गई है कि वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम-2026 में उत्साहपूर्वक भाग लें और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान तथा देशभक्ति की भावना को मजबूत करें। सूचना एवं जनसंपर्क प्रभारी तपेश बिधूड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में विभिन्न देशभक्ति गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। नेहरू पार्क में लगाया गया कैनवास तिरंगा नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने और अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

बांगड़ अस्पताल की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चिकित्सा मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/पाली , कर्मयोगी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह मंडली के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बांगड़ अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र कुमार गोस्वामी को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

इससे पहले संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता लाखोटिया महादेव शिव मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। यहां से कार्यकर्ता जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और बांगड़ अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर नारे लगाए। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मुलाकात कर अस्पताल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग रखी।

ज्ञापन में यूरोलॉजी विभाग में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने, यूरोलॉजिस्ट डॉ. पुष्पेन्द्र चौधरी के लिए पृथक जांच कक्ष उपलब्ध करवाने तथा पेशाब संबंधी रोगों के ऑपरेशन के लिए आवश्यक मशीनें एवं उपकरण उपलब्ध करवाने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि इससे पथरी सहित अन्य रोगों के मरीजों को पाली में ही उपचार की सुविधा मिल सकेगी। दूसरी मांग में बांगड़ अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा गार्डों का कई महीनों से लंबित वेतन शीघ्र दिलवाने की मांग की गई। संगठन के अनुसार वेतन नहीं मिलने से सुरक्षा गार्डों के परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और करीब 30 गार्ड नौकरी छोड़ चुके हैं।

तीसरी मांग में सोनोग्राफी विभाग में कम से कम दो अतिरिक्त विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग की गई। संगठन का कहना है कि मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण वर्तमान व्यवस्था में कई मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। चिकित्सक के अवकाश या अन्य कार्य में जाने पर परेशानी और बढ़ जाती है, जिससे मरीजों को निजी केंद्रों पर जांच करवाने के लिए अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ती है।

चौथी मांग में गंभीर मरीजों के लिए जीवन रक्षक एंबुलेंस की उचित व्यवस्था तथा मरीजों के परिजनों को स्पष्ट मार्गदर्शन देने की मांग की गई। संगठन ने ट्रॉमा सेंटर के सामने जीवन रक्षक एंबुलेंस खड़ी रखने की अनुमति देने के साथ अस्पताल परिसर में संचालित सभी एंबुलेंस की जांच करवाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जिन एंबुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें 'आईसीयू ऑन व्हील' जैसे नाम से प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए, ताकि मरीज और उनके परिजन भ्रमित न हों।

जवानों के सम्मान में बाड़ी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों लोग हुए शामिल

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण/बाड़ी। जवानों के सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को समर्पित विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा बुधवार को विधानसभा क्षेत्र बाड़ी में सर्व समाज के तत्वावधान में निकाली गई। तिरंगा यात्रा सुबह 10 बजे कैला माता मंदिर से प्रारंभ हुई, जो गर्ल्स स्कूल, हॉस्पिटल रोड, अग्रवाल पंचायती धर्मशाला, मदरसा चौराहा, लोहार बाजार, सराफा बाजार होते हुए गांधी पार्क किला गेट, बाड़ी पहुंचकर संपन्न हुई।तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रवण कुमार वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर राजावत, नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे, पंचायत समिति प्रधान अजय सिंह एवं पूर्व जिला महामंत्री अनिल गोयल मौजूद रहे। यात्रा में सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र- छात्राओं, शिक्षकों, पूर्व सैनिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल लोगों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों के साथ राष्ट्र के सम्मान और वीर जवानों के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की।कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे, कार्यक्रम संयोजक रामकुमार कुशवाह, सह संयोजक नरेश यादव, शिप्रा गर्ग, पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश मामा, नगर महामंत्री धनंजय शर्मा, रवि मोदी, विष्णु महेरे, वउएएड हरिओम सिकरवार, गर्ल्स स्कूल प्रिंसिपल दीपक शिवहरे, साहब सिंह मीणा, पूर्व सैनिक दारा सिंह पचौरी, बनवारी शर्मा, मुकेश शर्मा, जगदीश जगरिया, बनवारी परमार, श्याम किशोर, रामभरोसी परमार, गया प्रसाद कुशवाह, दीनदयाल कोली, अकबर खां पूर्व पार्षद, श्रीनिवास मित्तल, उषा जाटव, डॉ. निरमा सिंघल, सतीश प्रजापति, महेश कुशवाह, मनोज कोली, सुनील बंसल, राजेंद्र गर्ग, नितिन शर्मा, संध्या शर्मा, दिनेश गुर्जर, नाजिया खान प्रदेश आईटी सदस्य सहित शहर के हजारों गणमान्य नागरिक शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा आमजन में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना रहा। यात्रा के दौरान शहर में देशभक्ति का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शासन-प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहा।

डांगावास हत्याकांडः न्याय की मांग को लेकर कांग्रेस रउ प्रकोष्ठ ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान/ अलवर(नरेन्द्र तिलकपुर)। डांगावास हत्याकांड के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और दोषियों को सख्त सजा की मांग को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग (रउ प्रकोष्ठ) ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ममता भूपेश के निर्देशानुसार बुधवार को जिला अध्यक्ष जलाराम जाटव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात की और महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पदाधिकारियों ने डांगावास हत्याकांड के पीड़ित परिवारों को तुरंत न्याय दिलाने, मामले में निष्पक्ष एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने तथा वास्तविक दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की।

- **संविधान और सामाजिक सम्मान की लड़ाई**

जिला अध्यक्ष जलाराम जाटव एवं जिला उपाध्यक्ष विकास बोहरा ने कहा कि यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि न्याय, संविधान और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है। जब तक पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी और सड़क से लेकर प्रशासन तक इस आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

- **ये प्रतिनिधि रहे मौजूद**

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर वर्मा, उपाध्यक्ष विकास बोहरा, महासचिव महेन्द्र सिंह मेघवाल, एडवोकेट भरत बौद्ध, रामसहाय वर्मा, अमित, विशाल सहित अनुसूचित जाति विभाग के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में ₹जय भीम₹ और ₹जय संविधान₹ के नारे लगाते हुए न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

संत रविदास जयंती पर लोहावट विधानसभा में निकला समरसता रथ, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

अनिल सैन/ फलोदी। लोहावट। संत रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से देशभर में आयोजित किए जा रहे समरसता कार्यक्रमों के तहत मंगलवार को लोहावट विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेश से आए समरसता रथ एवं कलश का विभिन्न मंडलों में विधिवत पूजन कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत देचू मंडल के भूमियों के मंदिर में रथ के कलश पूजन के साथ हुई। इसके बाद कोलू मंडल के पाबूजी मंदिर में बैठक आयोजित की गई। फलोदी के जोधपुर चौराहे पर राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।

इसके बाद देनोक मंडल के बारसिंगों के बास में समरसता रथ के कलश का पूजन कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में शैतान सिंह नगर में भी रथ का पूजन एवं स्वागत किया गया।

कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति जानी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, लोकसभा सह प्रभारी आनंद सोलंकी, जिला महामंत्री एवं लोहावट विधानसभा प्रभारी डॉ. माधु सिंह देवड़ा, जिला महामंत्री सुखराम जानी, जिला उपाध्यक्ष सुमेर सिंवर, मेघराज कला, मंडल अध्यक्ष दानसिंह देचू, ओमसिंह कोलू, उम्मेदसिंह देनोक, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष जेठाराम मेघवाल, जगदीश पालीवाल फलोदी, ठाकुरदास पालीवाल, शांतिलाल शर्मा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रविदास जी के विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए सामाजिक सौहार्द, समानता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि समाज में किसी भी स्तर पर भेदभाव को स्थान नहीं मिलना चाहिए। सामाजिक समरसता और एकजुटता से ही राष्ट्र को मजबूत बनाया जा सकता है।

भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि समरसता रथ गांव-ढाणियों तक पहुंचकर संत रविदास जी के मानव सम्मान, समानता और सामाजिक सौहार्द के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगा।

ग्रामीण सेवा शिविर के फॉलोअप शिविर में राजस्व, प्रमाण पत्र एवं भूमि बंटवारे के कार्यों से आमजन को मिली राहत

चमकता राजस्थान

रियांबड़ी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ब्लॉक रियांबड़ी की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविरों के फॉलोअप शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को आईटी केंद्र जसनगर में फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों ने आमजन के कार्यों का त्वरित निस्तारण कर राहत प्रदान की।

सहायक विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद सैनी ने बताया कि शिविर में 22 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यों का मौके पर ही निष्पादन किया। शिविर के दौरान 9 म्यूटेशन, 6 जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र, 4 अभिलेख शुद्धिकरण तथा 14 फार्मर रजिस्ट्री के कार्य संपादित कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई। उन्होंने बताया कि शिविर में 0.1675 हेक्टेयर कृषि भूमि के दो काश्तकारों के बीच आपसी सहमति से भूमि बंटवारा कराया गया, जो शिविर का विशेष आकर्षण एवं चर्चा का विषय रहा। इसके अलावा पुलिस थाना जसनगर के लिए 1.25 हेक्टेयर भूमि के भू-आवंटन का प्रस्ताव राजस्व विभाग द्वारा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई भी की गई। शिविर के दौरान राज्य सरकार के ₹हरियालो राजस्थान₹ अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार प्रेम कुमार, प्रशासक अशोक सांखला, भू-अभिलेख निरीक्षक सुरेश कुमार, पशु चिकित्सक डॉ. विपुल ककड़ा, आयुष चिकित्सक डॉ. रतना राम, विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार, कृषि पर्यवेक्षक अंजू जाट, आयोजना विभाग के प्रतिनिधि मुकेश, वरिष्ठ सहायक चेना राम, ग्राम विकास अधिकारी रामावतार गोलिया, कनिष्ठ सहायक रघुवीर सिंह चारण, ऑपरेटर पवन कुमार शर्मा, पटवारी राकेश डॉबर, वन विभाग के प्रतिनिधि गजेन्द्र सिंह, रोडवेज विभाग के प्रतिनिधि ललित कुमार, सामाजिक न्याय विभाग के प्रतिनिधि सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर के फॉलोअप शिविर में राजस्व, प्रमाण पत्र एवं भूमि बंटवारे के कार्यों से आमजन को मिली राहत

चमकता राजस्थान

रियांबड़ी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ब्लॉक रियांबड़ी की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविरों के फॉलोअप शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को आईटी केंद्र जसनगर में फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों ने आमजन के कार्यों का त्वरित निस्तारण कर राहत प्रदान की।

सहायक विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद सैनी ने बताया कि शिविर में 22 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यों का मौके पर ही निष्पादन किया। शिविर के दौरान 9 म्यूटेशन, 6 जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र, 4 अभिलेख शुद्धिकरण तथा 14 फार्मर रजिस्ट्री के कार्य संपादित कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई। उन्होंने बताया कि शिविर में 0.1675 हेक्टेयर कृषि भूमि के दो काश्तकारों के बीच आपसी सहमति से भूमि बंटवारा कराया गया, जो शिविर का विशेष आकर्षण एवं चर्चा का विषय रहा। इसके अलावा पुलिस थाना जसनगर के लिए 1.25 हेक्टेयर भूमि के भू-आवंटन का प्रस्ताव राजस्व विभाग द्वारा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई भी की गई। शिविर के दौरान राज्य सरकार के ₹हरियालो राजस्थान₹ अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार प्रेम कुमार, प्रशासक अशोक सांखला, भू-अभिलेख निरीक्षक सुरेश कुमार, पशु चिकित्सक डॉ. विपुल ककड़ा, आयुष चिकित्सक डॉ. रतना राम, विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार, कृषि पर्यवेक्षक अंजू जाट, आयोजना विभाग के प्रतिनिधि मुकेश, वरिष्ठ सहायक चेना राम, ग्राम विकास अधिकारी रामावतार गोलिया, कनिष्ठ सहायक रघुवीर सिंह चारण, ऑपरेटर पवन कुमार शर्मा, पटवारी राकेश डॉबर, वन विभाग के प्रतिनिधि गजेन्द्र सिंह, रोडवेज विभाग के प्रतिनिधि ललित कुमार, सामाजिक न्याय विभाग के प्रतिनिधि सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आईएलटी-20 के पांचवें सत्र से जुड़े मिलर, फिन एलेन और क्लासेन समेत कई स्टार खिलाड़ी

एजेंसी

दुबई। डेविड मिलर, फिन एलेन और हेनरिक क्लासेन जैसे दिग्गज टी-20 बल्लेबाजों के जुड़ने से डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में बल्लेबाजी का रोमांच बढ़ने वाला है। तीनों खिलाड़ियों को पांचवें सत्र के लिए नीलामी से पहले टीमों ने अपने साथ जोड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस भी तीन साल के अंतराल के बाद टूर्नामेंट में वापसी करेंगे।

न्यूजीलैंड के फिन एलेन अबू धाबी नाइट राइडर्स, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन गल्फ जायंट्स का हिस्सा होंगे। इन तीनों खिलाड़ियों की यह आईएलटी20 में पहली उपस्थिति होगी। स्टोइनिस दुबई कैपिटल्स के लिए खेलेंगे।

आईएलटी-20 के चर्चित खिलाड़ियों में शामिल जेसन होल्डर और सुनील नरेन अबू धाबी नाइट राइडर्स, शिमरोन हेटमायर डेजर्ट वाइपर्स, जबकि रोवमैन पॉवेल और मुस्तफिजुर रहमान दुबई कैपिटल्स

में लौटे हैं। गत चैंपियन डेजर्ट वाइपर्स ने एंड्रीस गाउस और डैन लॉरेंस को भी बरकरार रखा है। अजमतुल्लाह उमरजई और ब्लेसिंग मुजाराबानी गल्फ जायंट्स में लौट आए हैं।

टी-20 क्रिकेट के सबसे आक्रामक सलामी बल्लेबाजों में शुमार फिन एलेन ने टी-20 विश्व कप-2026 के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केवल 33 गेंदों में शतक लगाया था। 27 वर्षीय एलेन ने न्यूजीलैंड के लिए 62 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,663 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 170.73 रहा है।

डेविड मिलर दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी मध्यक्रम बल्लेबाज हैं। उन्होंने 140 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2,804 रन बनाए हैं। उनका औसत 33.78 और स्ट्राइक रेट 141.40 है।

विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 58 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,000 रन बनाए हैं। उन्हें खास तौर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। क्लासेन करीब 300 टी-20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम इस प्रारूप में लगभग 7,000 रन हैं।

2021 में टी-20 विश्व कप विजेता मार्कस स्टोइनिस एक दशक से अधिक समय से ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 87 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,416 रन बनाए हैं। इसके अलावा दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज स्टोइनिस ने 53 विकेट भी लिए हैं।

नीलामी से पहले शामिल किए गए अन्य खिलाड़ियों में अमेरिका के मैथ्यू ट्रॉम्प को अबू धाबी नाइट राइडर्स, अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान को डेजर्ट वाइपर्स, नूर अहमद को दुबई कैपिटल्स, वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड को एमआई एमिरेट्स तथा एडम मिल्ने, जेम्स विंस और वकार सलामखेल को शारजाह वॉरियर्ज ने अपने साथ जोड़ा है। छहों फ्रेंचाइजियों ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए नीलामी पूर्व चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है। प्रत्येक टीम अधिकतम चार खिलाड़ियों को नीलामी से पहले अपने साथ जोड़ सकती थी। अब टीमों को यूएई, कुवैत, सऊदी अरब और अन्य विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने का अवसर मिलेगा।

बिंद्रा ने बीजिंग ओलंपिक स्वर्ण को किया याद, कहा–

यह मेरे खेल जीवन का सबसे बड़ा शिखर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में जीते ऐतिहासिक स्वर्ण पदक को याद करते हुए इसे अपने खेल जीवन का 'सबसे बड़ा शिखर' बताया। 11 अगस्त 2008 को बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 700.5 अंक के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि के 18 साल पूरे होने पर बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, '18 साल पहले आज ही के दिन मैं अपने खेल जीवन के सबसे बड़े शिखर पर पहुंचा था। जीवन ने तब से मुझे सिखाया है कि शिखरों के बीच का सफर भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है।'

बीजिंग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद बिंद्रा ने 2012 और 2016 ओलंपिक में क्रमशः 16वें और चौथे स्थान पर रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया। हालांकि, बीजिंग का स्वर्ण उन्हें भारतीय खेल इतिहास के महान खिलाड़ियों में स्थापित करने के लिए पर्याप्त था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धियां

बिंद्रा के नाम सात राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें चार स्वर्ण शामिल हैं। उन्होंने एशियाई खेलों में भी तीन पदक जीते, जिसमें एक रजत पदक शामिल है। इसके अलावा वह 2006 विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता रहे। 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में घरेलू दर्शकों के सामने बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। यह उनके शानदार करियर की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल रहा। दो दशक से अधिक लंबे करियर में बिंद्रा ने 150 से ज्यादा व्यक्तिगत पदक जीते और खुद को भारत के महानतम खेल सितारों में स्थापित किया। निशानेबाजी के प्रति उनकी असाधारण सेवाओं को देखते हुए 2018 में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने उन्हें ब्लू क्रॉस से सम्मानित किया, जो महासंघ का सर्वोच्च सम्मान है।

संन्यास के बाद भी खेलों के लिए योगदान

खेल से संन्यास लेने के बाद बिंद्रा ने अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट (एबीएफटी) की स्थापना की। यह गैर-लाभकारी संस्था भारत में जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल विज्ञान और तकनीक के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए काम करती है। एबीएफटी उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण, शिक्षा और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए भारतीय खेलों में वैश्विक स्तर की श्रेष्ठ प्रणालियों को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, ताकि देश के युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण मिल सके। बिंद्रा ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम किया और इस वर्ष की शुरूआत में अपना कार्यकाल पूरा किया। आईओसी में अपने कार्यकाल के दौरान वह ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें यह सम्मान ओलंपिक आंदोलन में उनके योगदान के लिए दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

रणजी खिलाड़ी मिर्जा दानिश आलम ने पूरा किया बीसीसीआई का कोचिंग कोर्स

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी रणजी खिलाड़ी एवं क्रिकेट कोच मिर्जा दानिश आलम ने कोलकाता में आयोजित बीसीसीआई कोचिंग कोर्स पूरा कर अब बीसीसीआई प्रमाणित कोच का दर्जा हासिल कर लिया है। कोर्स के दौरान उन्हें आधुनिक कोचिंग तकनीक, फिटनेस और मानसिक मजबूती से जुड़े पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। मुरादाबाद में दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी के संचालक दानिश आलम लंबे समय से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुके हैं। दानिश ने बताया कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि वह पहले भी आईसीसी फाउंडेशन, लेवल-1, बैटिंग स्पेशलिस्ट, न्यूट्रिशन और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग जैसे कोर्स कर चुके हैं और आगे राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट कोच बनने का लक्ष्य है।

चोट के कारण हैम्पशायर के अगले मैच से बाहर हुए आशुतोष शर्मा

लंदन। भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा चोट के कारण हैम्पशायर के लिए डबीर्शायर के खिलाफ मंगलवार को होने वाले वनडे कप मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। आशुतोष को रविवार को खेले गए मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। हालांकि, हैम्पशायर ने उनकी चोट की प्रकृति और गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। हैम्पशायर ने मंगलवार को जारी मैच पूर्व जानकारी में आशुतोष की अनुपलब्धता की पुष्टि की। टीम ने कहा, 'आशुतोष शर्मा रविवार के मैच के दौरान लगी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। प्रतियोगिता के शुरूआती तीन मैचों में खेलने वाले तेज गेंदबाज हैरी पेट्री की टीम में वापसी हुई है।' वनडे कप में आशुतोष का बल्ले से प्रदर्शन इस सत्र में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने सात मैचों में सिर्फ 56 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 16 रन रहा है। हालांकि, गेंद से उन्होंने शानदार प्रभाव छोड़ा है और वह हैम्पशायर के इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। आशुतोष ने सात मैचों में 14 विकेट लिए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 15.92 रहा है। बल्लेबाजी में संघर्ष के बावजूद गेंद से उनके प्रदर्शन को टीम के लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष माना जा रहा है।

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में भारतीय शॉटगन टीम का एशियाई खेलों को लेकर तैयारी शिविर

पेरिस ओलंपिक के अनुभव से सीख लेकर उतरेंगी माहेश्वरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से महज एक अंक से चूकने वाली भारतीय शॉटगन निशानेबाज माहेश्वरी चौहान अब अपने ओलंपिक अनुभव से सीख लेकर एशियाई खेल-2026 में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरने की तैयारी कर रही हैं। एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहीं 30 वर्षीय माहेश्वरी फिलहाल नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित तैयारी शिविर का हिस्सा हैं।

एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आयोजित इस शिविर में ट्रैप और स्कीट टीम के कुल 12 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की मंजूरी से चल रहा यह शिविर 18 अगस्त तक जारी रहेगा। शिविर के आयोजन के लिए साई ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। इसमें खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, यात्रा, शूटिंग रेंज की सुविधाओं, गोला-बारूद, अन्य आवश्यक सामग्री, कोचिंग और सहयोगी स्टाफ आदि का खर्च शामिल है।

पेरिस में ऐतिहासिक प्रदर्शन : माहेश्वरी और अनंतजीत सिंह नरूका ने पेरिस ओलंपिक के मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था। भारतीय जोड़ी कांस्य पदक से सिर्फ एक अंक से चूक गई थी। हालांकि, उनका चौथा स्थान ऐतिहासिक रहा, क्योंकि वे ओलंपिक स्कीट स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी थी। माहेश्वरी का मानना है कि पेरिस ओलंपिक का अनुभव उनके आगामी मुकाबलों के लिए मजबूत आधार बन चुका है। एशियाई खेलों में अपने पदार्पण को लेकर उन्होंने कहा, 'मेरी वास्तविक अपेक्षा यही है कि मैं पूरी तरह वर्तमान में रहूं और अपने खेल का आनंद लूं। मुझे लगता है कि मैं हर प्रतियोगिता के लिए एक जैसा दृष्टिकोण रखूंगी। खिताब बदलते रहते हैं, लेकिन प्रक्रिया और दृष्टिकोण वही रहता है।'

ओलंपिक अनुभव ने बढ़ाया आत्मविश्वास

राजस्थान की निशानेबाज और खेलो इंडिया एथलीट माहेश्वरी ने कहा कि पेरिस ओलंपिक ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर आधार और आत्मविश्वास दिया है। उन्होंने कहा, 'पहला ओलंपिक खेल थोड़ा अलग अनुभव हो सकता है, लेकिन मैंने वास्तव में इसका काफी आनंद लिया। इस अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत आधार दिया है और अब मैं उसी अनुभव से सीखना चाहती हूं।' 2024 के ओलंपिक अनुभव को याद करते हुए माहेश्वरी ने कहा, 'यह ऐसी चीज नहीं है जिसे आप भूल सकते हैं। यह हमेशा आपके साथ रहती है। इसके बाद आप खुद को और आगे बढ़ाने के लिए थोड़ा अधिक प्रेरित और ज्यादा भूखा महसूस करते हैं।'

शिविर में शामिल भारतीय निशानेबाज

स्कीट टीम: अनंतजीत सिंह नरूका, परिनाज धालीवाल, भवतेग सिंह गिल, मेराज अहमद खान, राइज़ा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान। ट्रैप टीम: कयनान चेनाई, नीरू ढांडा, अहवर रिजवी, मनीषा कीर, शपथ भारद्वाज और आशिमा अहलावत।

कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में सीआईएसएफ की अनु प्रिया और श्रुति जोशी ने जीते कांस्य पदक

एजेंसी

लागोस। नाइजीरिया के लागोस में चल रही कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की खिलाड़ियों अनु प्रिया और श्रुति जोशी ने कांस्य पदक जीतकर देश और बल का नाम रोशन किया।

हरियाणा की अनु प्रिया ने महिला व्यक्तिगत एपी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया, जबकि महाराष्ट्र की श्रुति जोशी ने महिला व्यक्तिगत सेबर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। चैंपियनशिप की शुरूआत 9 अगस्त को हुई है और प्रतियोगिता 14 अगस्त तक चलेगी। अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीआईएसएफ का प्रतिनिधित्व कर रहीं दोनों

खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी स्पधाओं में शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन से सीआईएसएफ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

सीआईएसएफ के महानिदेशक और बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अनु प्रिया और श्रुति जोशी को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी तथा चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन की सराहना की।

इन उपलब्धियों से खेलों को बढ़ावा देने और अपने खिलाड़ियों को सहयोग देने के लिए सीआईएसएफ की प्रतिबद्धता भी सामने आती है। सीआईएसएफ की खेल नीति के तहत बल के जवानों को सेवा के साथ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अवसर और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाता है।

अंपायर के फैसले पर असहमति जताने पर उमरजई को आईसीसी ने लगाई फटकार

बेलफास्ट। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फटकार लगाई है। उमरजई के खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईसीसी ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि उमरजई को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। यह घटना दूसरे वनडे में अफगानिस्तान की पारी के दौरान हुई। बारिश के कारण मुकाबला 47-47 ओवर का कर दिया गया था। अफगानिस्तान की पारी के 41वें ओवर में उमरजई को आउट दिया गया, लेकिन वह काफी देर तक क्रीज पर बने रहे और इशारों के जरिए फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उमरजई ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल के डीन कॉस्कर द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया। इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। उनके खिलाफ आरोप मैदानी अंपायर गैरेथ मॉरिसन और रोली ब्लैक , तीसरे अंपायर जॉनी कैनेडी तथा चौथे अंपायर जॉर्ज ब्रॉली ने लगाए थे। यह उमरजई का पिछले 24 महीनों में पहला डिमेरिट अंक है। आईसीसी की लेवल-1 की इस तरह की गलती के लिए आधिकारिक फटकार, मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जा सकते हैं।

व्यापार

गिरावट के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

निवेशकों को 2.53 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। निफ्टी की वीकली एक्सपायरी के दिन आज घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरूआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण बाजार कुछ हद तक रिकवर करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.49 प्रतिशत और निफ्टी 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 32.67 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ

78,509.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक लुढ़कता चला गया। लगातार हुई बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के करीब सेंसेक्स 494.18 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,048.26 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। दोपहर 12 बजे के बाद हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी कर 388.19 अंक के गिरावट के साथ 78,154.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 8.70 अंक यानी 0.04 प्रतिशत फिसल कर 24,575.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही शेयरों की चौतरफा बिक्री शुरू हो गई, जिसके कारण यह सूचकांक गिरता चला गया। शेयरों की लगातार हो रही बिक्री के कारण दिन के पहले सत्र के अंत तक निफ्टी 154.55 अंक यानी 0.63 प्रतिशत टूट कर 24,429.25 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी दिन के निचले स्तर से 40 अंक से अधिक सुधर कर 112.10 अंक की कमजोरी के साथ 24,471.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत

फिच की सॉवरेन रेटिंग 'बीबीबी-' पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की सॉवरेन रेटिंग 'बीबीबी-' पर बरकरार रखी है। एजेंसी ने देश के लिए 'स्थिर परिदृश्य' भी बनाए रखा है। फिच ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ऊर्जा संकट की चुनौतियों के बावजूद भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

फिच ने कहा कि उसे अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी हुई अनिश्चितता के कारण भारत की वृद्धि संभावनाओं पर कोई स्थायी खतरा होने की उम्मीद नहीं है। रेटिंग एजेंसी ने सबसे निचली निवेश ग्रेड रेटिंग ह्यबीबीबी-ह्य की पुष्टि करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था झटकों के प्रति जुझारू रही है और यह रुख आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

एजेंसी ने कहा कि भारत की रेटिंग इसके मजबूत वृद्धि परिदृश्य और ठोस बाहरी वित्तीय बुनियादी सिद्धांतों को दर्शाती है। उसने 31 मार्च, 2027 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। फिच रेटिंग्स के मुताबिक व्यापक आर्थिक स्थिरता प्रदान करने और नीतिगत विश्वसनीयता में सुधार के मजबूत रिकॉर्ड से निकट अवधि की ऊर्जा संकट संबंधी चुनौतियों के बावजूद निरंतर मजबूत वृद्धि को बल मिलना चाहिए और आर्थिक मजबूती बढ़नी चाहिए।

अमेरिकी अदालत ने गौतम अडाणी के खिलाफ आपराधिक मामला खारिज किया

एजेंसी

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक अदालत ने अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी के खिलाफ प्रतिभूति एवं धोखाधड़ी से जुड़े आपराधिक मामले स्थायी रूप से खारिज कर दिया है। इसके साथ ही कथित धोखाधड़ी और रिश्वत के मामले में 2 साल से जारी कानूनी कार्यवाही अब समाप्त हो गई है।

न्यूयॉर्क के 'यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फॉर द ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट' ने न्याय विभाग के नियम 48(ए) के तहत दायर याचिका स्वीकार करते हुए आरोप पत्र में शामिल दूसरे, तीसरे और चौथे आरोपों को खारिज कर दिया। न्यायाधीश निकोलस गैरॉफिस ने अभियोजन पक्ष से मामले को वापस लेने के फैसले पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण मांगने के बाद न्याय विभाग की याचिका को मंजूरी दे दी है। आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने का अर्थ है कि आपराधिक कार्यवाही हमेशा के लिए समाप्त हो गई है और इन आरोपों को दोबारा दायर नहीं किया जा सकता। इन आरोपों में प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप शामिल थे।

गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत

गौतम अडाणी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने इसे विनम्रता और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरे सम्मान के साथ इसे स्वीकार किया है। अडाणी ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में हमारा विश्वास कभी नहीं डिगा। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी का आभारी हूं, जिन्होंने हम पर व्यवस्था पर और भारत की न्याय व्यवस्था की क्षमता पर भरोसा बनाए रखा। हम अपने देश के निर्माण, दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने और स्वयं से बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए काम करते रहेंगे। यही हमारी प्रतिबद्धता है।' यह आपराधिक मामला नवंबर, 2024 में शुरू हुआ था, जब अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि गौतम अडाणी, सागर अडाणी, अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के पूर्व सीईओ वनीत जैन और अन्य लोग भारत के सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की साजिश में शामिल थे।

जन्मदिन पर विशेष

ईशिता आर. गिरीश

पहाड़ की आवाज़ की कथा

हिमालय केवल पहाड़ों, बर्फ और देवदारों का नाम नहीं है। उसके भीतर अनगिनत कहानियां सांस लेती हैं–नदियों की तरह बहती हुईं, धुंध की तरह उतरती हुईं और लोकगीतों की तरह पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपनी स्मृतियां बचाती हुईं। इन कहानियों को अपनी स्मृतियों में संजोते हुए उसे अपनी भाषा शैली में पाठकों के समक्ष बेहद शिददत से प्रस्तुत करने का काम कुल्लू की रहनवासी ईशिता आर. गिरीश अरसे से कर रही है, जिनका आज जन्मदिन है। बचपन से ही साहित्य में रुचि रखने वाली ईशिता आर. गिरीश के भीतर कथा का बीज बोया गया, इस बारे में बताते हुए कहती है कि बचपन में आसपास के बच्चों को एकत्र कर कहानी गढ़ने और सुनाने की रुचि, आगे चलकर गंभीर साहित्य-साधना में परिवर्तित हुई। कॉलेज के दिनों में कविता ने उनकी सृजनात्मक चेतना को नया मोड़ दिया और 1987 के बाद कहानी लेखन की ओर उनका रुझान और गहरा हुआ। अंग्रेजी साहित्य में बी.ए. ऑनर्स और एम.ए. करने के साथ बी.एड. की शिक्षा प्राप्त करने वाली ईशिता ने अध्यापन को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। वे कुल्लू के अवर लेडी ऑफ द स्नोज स्कूल में अंग्रेजी अध्यापिका रहीं और अब सेवानिवृत्त हैं।

राजेन्द्र शर्मा

बहुमुखी प्रतिभा के धनी ईशिता आर. गिरीश शिक्षिका भर नही रही । रचनात्मक तौर पर उनका व्यक्तित्व मुख्य रुप से लेखिका का रहा लेकिन वे अनुवाद करती हैं, रेखाचित्र बनाती हैं, तैलचित्र और फैब्रिक आर्ट में रुचि रखने के साथ साथ सामाजिक सरोकरों से जुड़ी रही हैं। उनके व्यक्तित्व में साहित्य और कला एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक ही रचनात्मक चेतना की दो धाराएं हैं।ईशिता की साहित्यिक यात्रा कविता से आरंभ हुई। उनकी कविताएं विभिन्न प्रादेशिक और राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। उनका कविता-संग्रह 'अपने साये से' प्रकाशित हो चुका है। इसके अलावा 'रीवा' नामक उपन्यास तथा बच्चों की परवरिश पर केंद्रित पुस्तक 'सबसे अच्छा बच्चा'तथा कहानी-संग्रह 'सपनों का ट्रांसमिशन' उनके प्रकाशित साहित्य में शामिल हैं।

वर्ष 2025 में उनका पहला कहानी-संग्रह 'सपनों का ट्रांसमिशन' प्रकाशित हुआ,जो खासा चर्चित रहा है । इस संग्रह में उनकी दस कहानियां शामिल हैं–'हॉऽऽय डूड', 'आखरी भूत', 'सौकणें', 'पब्लिक टॉयलेट', 'मेंढकी', 'एक पिकनिक पापाओं के लिए', 'मसीने', 'बिल्ली का बच्चा', 'लाल की नूह', 'संग सुरई' और 'सपनों का ट्रांसमिशन'। इन कहानियों का संसार एकरेखीय नहीं है। कहीं ग्रामीण जीवन है, कहीं तेजी से बदलता शहरी मन, कहीं लोक-स्मृति है तो कहीं जादुई यथार्थ का स्पर्श। स्वयं पुस्तक के परिचय में उनकी कहानियों के विविध परिवेश और शिल्पगत प्रयोगों की ओर संकेत किया गया है। विशेष रूप से पात्रों की भाषा और संवादों को उनके कथा-शिल्प की महत्वपूर्ण विशेषता माना गया है। यही उनकी कथा-कला का आकर्षण है–वे कहानी को केवल घटना नहीं बनने देतीं। घटना के भीतर मनुष्य को खोजती हैं और मनुष्य के भीतर उसके समय को।

ऱसपनों का ट्रांसमिशनऱ की कहानियों को पढते ही यह बात साफ तौर पर दिखाई देती है कि कविता से कहानी लेखन में आई ईशिता आर. गिरीश को कविता ने भाषा की लय दी और कहानी ने जीवन की अनेक परतों को देखने की दृष्टि। शायद इसी कारण उनकी कथा-भाषा में कविता की संवेदनशीलता और कथाकार की सजग दृष्टि दोनों साथ दिखाई देती हैं।

ईशिता की कहानियों में कुल्लू केवल भौगोलिक पृष्ठभूमि बनकर नहीं आता। वहां की संस्कृति, लोकाचार, पहनावा, रिश्ते, स्मृतियां और बदलती जीवन-शैली कथा के जीवंत पात्र बन जाते हैं जिससे स्पष्ट होता है कि ईशिता आर. गिरीश बतौर कथाकार अपने परिवेश को संग्रहालय की वस्तु की तरह संरक्षित न करते हुए सीधे सीधे वर्तमान से संवाद करती है । ईशिता की रचनाओं में स्त्री केवल पीड़ित पात्र नहीं है। वह प्रश्न करती है, निर्णय लेती है, अपने अधिकार को पहचानती है और अपने आसपास के सामाजिक ढांचे को समझने की कोशिश करती है।उनकी संवेदना किसी घोषणापत्र की भाषा नहीं बोलती। वह जीवन के छोटे-छोटे प्रसंगों में अपना प्रतिरोध दर्ज करती है। घरेलू संबंधों, सामाजिक रूढ़ियों और बदलती स्त्री-चेतना के बीच उनकी कथा अपने समय की स्त्री को उसकी जटिलताओं के साथ देखती है।ईशिता का कथा संसार पहाड़ की सीधी-सादी कहानी कहने भर तक सीमित नहीं है। वह कथा के नए मुहावरे तलाशता है। कभी लोक-कथा की तरह, कभी सामाजिक यथार्थ की तरह और कभी स्वप्न और यथार्थ के बीच की धुंधली रेखा पर चलते हुए। अभी कुछ ही समय पहले आयोजित कुल्लू साहित्य उत्सव में कहानी संग्रह 'सपनों का ट्रांसमिशन' पर व्यापक चर्चा हुई । यह तथ्य महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी लेखक की वास्तविक साहित्यिक उपस्थिति केवल पुस्तक के प्रकाशित होने से तय नहीं होती; वह तब स्थापित होती है जब उसकी रचना पाठकों, आलोचकों और साहित्यिक समाज के बीच संवाद पैदा करती है।एक पहाड़ी स्त्री की रचनात्मक दृष्टिईशिता आर. गिरीश को पढ़ना दरअसल हिमाचल को एक दूसरी आंख से देखना है। वह आंख पहाड़ों को केवल सुंदरता में नहीं देखती। उसे मालूम है कि सुंदर पहाड़ों के पीछे श्रम है, अकेलापन है, पलायन है, बदलते रिश्ते हैं, बाजार का दबाव है और परंपरा से आधुनिकता की ओर जाता हुआ एक पूरा समाज है।

राजनामा दुनिया परिवार की ओर से कवि,कथाकार ईशिता आर. गिरीश को बहुत बहुत बधाई, अनंत शुभकामनाएं ।

संक्षिप्त समाचार

जियोमार्ट क्विक की इंडिपेंडेंस सेल: 80% तक छूट

- 16 अगस्त तक चलेगी सेल, ग्रॉसरी से इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन तक ऑफर
- चुनिंदा पेमेंट विकल्पों पर अतिरिक्त बैंक डिस्काउंट भी

चमकता राजस्थान/मुंबई। स्वतंत्रता दिवस से पहले खरीदारी की तैयारी कर रहे ग्राहकों के लिए जियोमार्ट क्विक ने ग्रैंड इंडिपेंडेंस सेल शुरू की है। 12 से 16 अगस्त तक चलने वाली इस पांच दिन की सेल में ग्रॉसरी, रोजमर्रा की जरूरतों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन समेत कई श्रेणियों में 80 फीसदी तक छूट मिलेगी। इसके साथ चुनिंदा पेमेंट विकल्पों पर अतिरिक्त बैंक डिस्काउंट भी लिया जा सकेगा।

जियोमार्ट की क्विक कॉमर्स सेवा जियोमार्ट क्विक पर ग्राहक रोजमर्रा के सामान के साथ त्योहारों और खास मौकों से जुड़ी खरीदारी भी कर सकेंगे। कंपनी के मुताबिक सेल में ग्रॉसरी, डेली एसेंशियल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और फेस्टिव जरूरतों से जुड़े कई प्रोडक्ट और प्रमुख ब्रांड शामिल हैं। ऑर्डर की डिलीवरी ग्राहकों के घर तक मिनटों में करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

सेल के दौरान सामान्य डिस्काउंट के अलावा इंडिपेंडेंस डे से जुड़े खास ऑफर भी दिए जा रहे हैं। वहीं चुनिंदा भुगतान विकल्पों का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को बैंक डिस्काउंट के जरिए अतिरिक्त बचत का मौका मिलेगा।

जियोमार्ट क्विक ग्रैंड इंडिपेंडेंस सेल 16 अगस्त तक जियोमार्ट ऐप और वेबसाइट पर लाइव रहेगी।

श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर में बाबा बर्फानी स्वरूप का भव्य श्रृंगार

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण/बसेड़ी। सावन मास के पावन अवसर पर श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ का अलग-अलग स्वरूपों में आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है। इसी क्रम में शिवरात्रि के पर्व पर बसेड़ी क्षेत्र स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार बाबा बर्फानी के स्वरूप में किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को बर्फ और फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया। बाबा बर्फानी के मनोहारी स्वरूप में भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। मंदिर परिसर में दिनभर ''हर-हर महादेव'' और ''बम-बम भोले'' के जयकारे गूंजते रहे। बाबा बर्फानी स्वरूप के मनोहारी दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। शिवरात्रि के पावन अवसर पर किए गए इस विशेष श्रृंगार ने श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया। मंदिर परिसर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा भूतेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने युवाओं से किया संवाद

चिन्तन, मनन, विवेचन और विश्लेषण से अपना मत तय करने का किया आह्वान

चमकता राजस्थान

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान कहा कि युवा मतदाता लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने मताधिकार के महत्व से परिचित कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर जन-जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

सिंह राजकीय महाविद्यालय, जयपुर में बुधवार को आयोजित ''युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम'' में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आजाद सहित अनेक महान व्यक्तित्वों का योगदान रहा है। आज के युवाओं को उनके विचारों और देश के प्रति योगदान से प्रेरणा लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने युवाओं से कहा कि वे वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों

को समझें तथा किसी भी विषय पर अपना मत बनाने से पहले तथ्यात्मक जानकारी का अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में अध्ययन और विश्लेषण की आदत विकसित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से चिन्तन, मनन, विवेचन और विश्लेषण से अपना मत तय करने का आ''ान किया। निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि युवा मतदाताओं के आवश्यक रूप से अपना मतदाता पहचान-पत्र बनवाना चाहिये और आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिये। साथ ही अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों और पंचायतों में जनता को स्वयं जागरुक होकर निष्पक्ष और स्वच्छ छवि के आधार जन प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब (ELC) की ओर से वर्षभर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। ईएलसी प्रभारी प्रो. गोविन्द शरण शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में युवाओं को चुनावी प्रक्रिया तथा लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के प्रति जागरूक करने के लिए निबंध, कविता पाठ, पोस्टर एवं रंगोली सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने राज्य निर्वाचन आयुक्त से विभिन्न विषयों पर संवाद किया और मतदान तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछे। इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रविकांत शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि 'युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम' भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा युवाओं को लोकतंत्र से जोड़ने और मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया जाने वाला एक विशेष अभियान है। इसके तहत शिक्षण संस्थानों और युवाओं के बीच संवाद आयोजित कर उन्हें चुनावी प्रक्रिया की जानकारी दी जाती है।

रावणा राजपूत समाज ने OBC सर्वे के आंकड़ों पर जताया विरोध

रणजीत सिंह सोडाला के नेतृत्व में सौंपा जयपुर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग द्वारा जारी सर्वेक्षण के आंकड़ों के विरोध में आज रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर जयपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में समाज की ओर से कहा गया कि 5 अगस्त 2026 को सार्वजनिक किए गए आयोग के सर्वेक्षण के आंकड़े रावणा राजपूत समाज की वास्तविक जनसंख्या को प्रदर्शित नहीं करते। समाज ने आरोप लगाया कि सर्वेक्षण के दौरान अनेक परिवारों तक पहुंच नहीं बनाई गई तथा कई स्थानों पर तकनीकी खामियों, अनुमानित डेटा एंट्री और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। कई क्षेत्रों से यह भी जानकारी मिली कि प्रगणकों द्वारा मतदाता सूची के आधार पर अनुमानित आंकड़े अपलोड किए गए। समाज ने मांग की कि आयोग की संपूर्ण रिपोर्ट, सर्वेक्षण की पद्धति एवं आधारभूत आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही गांव, वार्ड, तहसील एवं जिला स्तर के आंकड़ों को भी सार्वजनिक कर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष सत्यापन कराया जाए तथा सर्वेक्षण से छूटे परिवारों का पुनः सर्वे कराया जाए।

इस संबंध में श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने कहा कि यदि सरकार ने सर्वेक्षण की कमियों का निष्पक्ष सत्यापन नहीं कराया और वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए, तो समाज अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। समाज ने सरकार से मांग की कि वास्तविक जनसंख्या एवं सामाजिक-राजनीतिक प्रतिनिधित्व के आधार पर ओबीसी वर्ग के अधिकार सुनिश्चित किए जाएं तथा पारदर्शी एवं प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर न्यायसंगत निर्णय लिया जाए।

ज्ञापन में उपस्थित समाज बंधु जयपुर से रावणा राजपूत समाज प्रदेश अध्यक्ष, रणजीत सिंह सोडाला, प्रदेश सरक्षक नंद सिंह राजावत, प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश प्रतिनिधि रणवीर सिंह बिरलोका, जयपुर जिला अध्यक्ष नंद सिंह सोलंकी, सुरेश सिंह टांक, युवा जिला अध्यक्ष ओम सिंह आकोडिया, कपिल सिंह भाटी, नारायण सिंह परिहार, करण सिंह बडगूजर, प्रताप सिंह, प्रकाश निर्माण, महावीर सिंह पवार नंद सिंह नरूका, श्याम सिंह सिसोदिया, चैन सिंह सोलंकी, भंवर सिंह हाडा, जितेंद्र सिंह बासडी, भंवर सिंह लसाडिया, माल सिंह, दशरथ सिंह,मदन सिंह चौहान, परमेश सिंह, तेज सिंह दाकिया, तेज सिंह कच्छावा, नवल सिंह चोहान, रामावतार सिंह जी, राजेंद्र सिंह रणसी, राजेंद्र सिंह जी,सहित समाज के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि, वरिष्ठ समाज सेवी उपस्थित रहे।

तंबाकू मुक्त ब्यावर बनाने हेतु जिला स्तरीय बहु हितधारकों की कार्यशाला का आयोजन।

चमकता राजस्थान/ब्यावर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा एसआरकेपीएस, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियानर के अंतर्गत बुधवार को होटल ग्रैंड गीता में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत की अध्यक्षता में किया किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले में तंबाकू नियंत्रण संबंधी कानूनों एवं नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से तंबाकू मुक्त एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना था।

डॉ संजय गहलोत ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू सेवन आज एक गंभीर सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बन चुका है। इससे कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों सहित अनेक घातक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने सभी विभागों से समन्वित रूप से कार्य करते हुए जिले को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई करने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को तंबाकू की लत से बचाने के लिए कानूनों का कड़ाई से पालन कराने के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। साथ ही सभी को निर्देश दिए की जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों को तम्बाकू चिकित्सा संस्थान बनाए जाने अनिवार्य हैं ।

राज्य स्तरीय निरीक्षण दल ने ब्यावर जिला मुख्यालय के राजकीय कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

- 39.28 प्रतिशत राजपत्रित एवं 42.59 प्रतिशत अराजपत्रित कार्मिक मिले अनुपस्थित, कई कार्यालयों के कक्षों में मिले ताले

चमकता राजस्थान/ब्यावर, 11 अगस्त। प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय ब्यावर स्थित विभिन्न राजकीय विभागों एवं कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल का नेतृत्व शासन उप सचिव एवं अतिरिक्त निदेशक (निरीक्षण) सुनील कुमार शर्मा ने किया।

निरीक्षण दल में सहायक शासन सचिव राम स्वरूप विश्नोई, अनुभागाधिकारी महेन्द्र कुमार सरावता एवं चेना राम भदाला तथा लिपिक ग्रेड-द्वितीय सुरेन्द्र सिंह नौहवार शामिल रहे। दल ने प्रातः 10 बजे जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों में अधिकारियों एवं कार्मिकों की उपस्थिति, कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं अनुशासन का जायजा लिया।

415 कार्मिकों की उपस्थिति का किया सत्यापन

निरीक्षण के दौरान कुल 52 उपस्थिति पंजिकाओं का अवलोकन किया गया। इनमें 84 राजपत्रित अधिकारियों में से 33 तथा 331 अराजपत्रित कार्मिकों में से 141 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। इस प्रकार राजपत्रित अधिकारियों में 39.28 प्रतिशत तथा अराजपत्रित कार्मिकों में 42.59 प्रतिशत अनुपस्थिति दर्ज की गई।

रजतजयन्ती पार कर संपर्क पहुँचा सात समंदर पार

किशनगढ़ की धरती पर संपर्क की रजत गाथा

25 वर्षों की सेवा, साहित्य और संस्कृतियों का संगम बना यादगार उत्सव

विमल चौहान

कुछ यात्राएँ केवल वर्षों की गणना नहीं होतीं, वे समय के माथे पर लिखी गई ऐसी इबारत होती हैं, जिसे आने वाली पीढ़ियाँ पढ़ती हैं और प्रेरणा लेती हैं।

संपर्क संस्था की 25 वर्षों की यात्रा भी ऐसी ही एक यात्रा है—सेवा से सृजन तक, साहित्य से समाज तक और स्थानीय धरती से देश की सीमाओं के पार तक पहुँचने वाली एक जीवंत यात्रा।

जिस औद्योगिक नगरी किशनगढ़ में समाज सेवा के संकल्प के साथ संपर्क संस्था ने अपनी यात्रा 2001 में आरंभ की थी, उसी मार्बल नगरी में संस्था का भव्य, विशाल और गरिमामय रजत जयंती समारोह 8 व 9 अगस्त 2026 को आयोजित हुआ।

यह केवल एक समारोह नहीं था, बल्कि 25 वर्षों के संघर्ष, समर्पण, उपलब्धियों और सामाजिक सरोकारों का उत्सव था। देशभर से आए साहित्यकार, लेखक, कवि, लेखिकाएँ, मीडियाकर्मी, राजनेता, उद्योगपति और समाजसेवी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

● साहित्य ने जब समारोह को आत्मा दी

रजत जयंती समारोह का द्वितीय सत्र पूर्णतः साहित्यिक रहा। इस सत्र के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रेम आनंदकर थे। अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष विमल चौहान ने की और आगरा से पधारी देश की प्रमुख साहित्यकार डॉ. शुभ्रा पांडेय, सीमा भाटी विशिष्ट अतिथि रहीं।

डॉ. शुभ्रा पांडेय ने अपने संबोधन में वर्तमान सामाजिक व्यवस्था, टूटते परिवारों और धीरे-धीरे लुप्त होती संवेदनाओं पर मार्मिक और प्रेरणास्पद विचार रखे। उनका वक्तव्य साहित्य को केवल शब्दों की सजावट नहीं, बल्कि समाज के भीतर झाँकने वाला आईना बनाने वाला रहा। देशभर से आए लेखकों, साहित्यकारों और लेखिकाओं ने विविध विषयों पर अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं और पुस्तक लेखन को लेकर अपने विचार साझा किए।

● सेवा के संकल्प से उपलब्धियों की रजत यात्रा

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय किसान कल्याण मंत्री भागीरथ चौधरी, रोजियम ग्रुप चैयरमेन अर्पित जैन, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक भानु प्रकाश गुर्जर थे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि जन्म और मृत्यु ईश्वर के हाथ में होती है, लेकिन इनके बीच का समय मानव सेवा के लिए होता है।।

संस्था के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करते हुए मानव सेवा के लिए निरंतर समर्पित रहने वाले ऐसे संगठन को समाज की आवश्यकता बताया। इस अवसर पर 11 पुस्तकों का विमोचन किया गया तथा संस्थापक सदस्यों, नवोदित प्रतिभाओं और कवयित्रियों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने संस्था के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करते हुए मानव सेवा के लिए निरंतर समर्पित रहने वाले ऐसे संगठन को समाज की आवश्यकता बताया। इससे पूर्व संस्था के अध्यक्ष अनिल लढ़ा ने संपर्क के गठन, इतिहास, 25 वर्षों की यात्रा और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संस्था की डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिसने इस दीर्घ यात्रा के अनेक पड़ावों को स्मृतियों के पर्दे पर जीवंत कर दिया।

● एक समारोह जो स्मृति बन गया

किशनगढ़ की इस धरती पर सम्पन्न हुआ संपर्क संस्था का रजत जयंती समारोह इसलिए महत्वपूर्ण नहीं था कि उसने केवल 25 वर्षों का उत्सव मनाया। उसकी सार्थकता इस बात में थी कि उसने इन 25 वर्षों के काम को समाज, साहित्य, संस्कृति और सेवा के अनेक रंगों में एक साथ सामने रखा।

यहाँ पुस्तकों का विमोचन हुआ तो नवोदित प्रतिभाओं का सम्मान भी हुआ। साहित्य की गंभीर चर्चा हुई तो लोकसंस्कृतियों का उल्लास भी दिखाई दिया। सामाजिक सरोकारों पर विचार हुआ तो राष्ट्रभक्ति के गीतों ने वातावरण को भावनाओं से भर दिया। अलग-अलग प्रदेशों से आए लोग मिले तो विविध संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ीं और साहित्यकारों ने अपनी रचनात्मक यात्राओं को साझा किया। किशनगढ़ की मार्बल नगरी में सजा यह रजत उत्सव वास्तव में संपर्क की उस सोच का प्रतिबिंब बना, जिसमें संपर्क केवल नाम नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने की एक निरंतर प्रक्रिया है। 25 वर्षों की यह यात्रा बताती है कि कोई संस्था केवल अपने कार्यालयों, कार्यक्रमों या उपलब्धियों से बड़ी नहीं होती। वह तब बड़ी होती है, जब उसके प्रयास किसी प्रतिभा को मंच देते हैं, किसी बेटी के भविष्य को दिशा देते हैं, किसी परिवार के जीवन में आशा जगाते हैं, किसी लेखक की आवाज को पाठकों तक पहुँचाते हैं और समाज में सेवा की एक नई संभावना पैदा करते हैं। सभी वक्ताओं ने संस्था के अध्यक्ष अनिल लढ़ा और उनकी सशक्त टीम की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। देशभर से आई लेखिकाओं ने भी अपने वक्तव्यों में इसी आत्मीय भाव को व्यक्त किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और अपनी कविताओं की प्रस्तुतियाँ दीं। किशनगढ़ की धरती पर सम्पन्न यह रजत समारोह एक पड़ाव अवश्य था, लेकिन यात्रा का अंत नहीं। क्योंकि जिन संस्थाओं की नींव सेवा में होती है, उनके लिए हर पड़ाव अगली मंजिल की शुरुआत होता है।

रायपुरिया आंगनवाड़ी केन्द्र पर अभिभावकों की बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान/खिंवाड़ा/घेनड़ी (विकास शर्मा) खिंवाड़ा के निकटवर्ती आंगनवाड़ी केंद्र रायपुरिया पर अभिभावकों की बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में बच्चों में खेलकूद को प्रोत्साहन देने व नियमित आंगनवाड़ी भेजने पर आग्रह किया गया। बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मनोज गर्ग,सहायिका पुष्पा सोनल, साथिन उषा सोलंकी, व राजकी देवी चौधरी व अभिभावक सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929